RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 152 , बुधवार, 15 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

बिजुलपुर दलित बस्ती जलजमाव से घिरी, ग्रामीणों ने पानी में उतरकर किया प्रदर्शन 03

पटना में बीएसएससी कार्यालय का घेराव, अभ्यर्थियों ने मेन गेट पर जड़ा ताला 04

नीरु बाजवा ने सतलुज को ओटीटी से हटाए जाने से है निराश 07

संक्षिप्त समाचार

धनबाद के जज उत्तम आनंद हत्याकांड में झारखंड हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

- दोनों दोषियों की उम्र कैद की सजा रहेगी बरकरार

धनबाद (एजेंसी)। झारखंड हाईकोर्ट ने बहुचर्चित धनबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) उत्तम आनंद हत्याकांड में मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए दोनों दोषियों लखन वर्मा और राहुल वर्मा की आजीवन कारावास की सजा को

बरकरार रखा है। जस्टिस रंजन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने दोनों आरोपियों की ओर से दायर अपील याचिकाओं को खारिज कर दिया। इसके साथ ही धनबाद स्थित सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई सजा पर हाईकोर्ट ने अपनी मुहर लगा दी।

दोनों दोषियों की सजा को रखा बरकरार- खंडपीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पहले ही अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। मंगलवार को फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा कि मामले में सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा दिया गया निर्णय और सजा उचित है। इसलिए दोषियों की अपील स्वीकार करने का कोई आधार नहीं बनता।

ट्विशा केस

गिरिबाला-समर्थ का फिर वॉयस सैंपल देने से इनकार

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में एक्ट्रेस-मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में मंगलवार को जिला अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई हुई। सीबीआई ने अदालत को बताया कि दोनों आरोपियों ने वॉयस सैंपल नहीं दिया है। भोपाल एम्स ने भी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट देने से मना किया है। सीबीआई ने गिरिबाला और समर्थ की न्यायिक हिरासत 28 जुलाई तक बढ़ाने की मांग की है। ट्विशा पक्ष के वकील शुभांग दीक्षित ने बताया कि अदालत पहले ही दोनों आरोपियों के वॉयस सैंपल लेने की अनुमति दे चुकी थी। इसके बाद 6 जुलाई को सीबीआई सैंपल लेने पहुंची थी। समर्थ सिंह ने वॉयस सैंपल देने से साफ इनकार कर दिया, जबकि गिरिबाला सिंह ने एक बार सैंपल दिया, लेकिन दोबारा सैंपल नहीं दिया। सुनवाई के दौरान पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई। वकील शुभांग दीक्षित के मुताबिक, भोपाल एम्स ने अदालत को बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और उससे जुड़े सभी दस्तावेज पहले ही (एजेंसी)। को सौंपे जा चुके हैं।

रामंदिर ट्रस्ट कोषाध्यक्ष बोले

चढ़ावे से 3 करोड़ चोरी हुए

अखिलेश यादव के खिलाफ पोस्टर- दिल में बाबर, मुंह में राम

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा- जहां तक मेरा अनुमान है करीब 3 करोड़ रुपए की चोरी हुई होगी। 14 करोड़ रुपए के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी होने की बात गलत है।

गोविंददेव गिरि ने पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने इस्तीफे की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- मैंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है। इधर, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट से पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र का नाम हटा दिया गया है। इससे पहले दोनों की वीआईपी पास आईडी भी ब्लॉक कर दी गई थी। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन और ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास के नाम पर नई वीआईपी पास आईडी जारी की गई है।

अयोध्या, बाराबंकी, मथुरा समेत यूपी के कई जिलों में सोमवार देर रात सपा के खिलाफ पोस्टर लगाए गए। इनमें मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव की तस्वीरों के साथ लिखा है- दिल में बाबर, मुंह में राम। मंगलवार सुबह सपा कार्यकर्ताओं ने होर्डिंग्स फाड़ दिए।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड में मौजूद 20 टन चांदी नकली

मामला पहुंचा कोर्ट, क्राइम ब्रांच के जांच अधिकारी तलब

श्रीनगर/जम्मू (एजेंसी)। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन में नकली चांदी चढ़ाए जाने के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। इस मामले में शिकायत दर्ज कराने वाले अधिवक्ता दीपक शर्मा ने बताया कि जम्मू की अदालत ने उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए क्राइम ब्रांच के जांच अधिकारी को तलब किया है। अदालत ने निर्देश दिया है कि जांच अधिकारी 29 जुलाई को मामले से जुड़े सभी प्रासंगिक दस्तावेजों और रिकॉर्ड के साथ अदालत में उपस्थित हों।

वैष्णो देवी में कितनी चांदी नकली?

दीपक शर्मा ने बताया कि उन्होंने 9 मई 2026 को क्राइम ब्रांच में इस मामले को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि इससे पहले मीडिया में व्यापक रूप से यह खबर सामने आई थी कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड में मौजूद लगभग 20 टन चांदी की जांच के दौरान अधिकांश चांदी नकली पाई गई। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस चांदी का बाजार मूल्य करीब 550 करोड़ रुपए बताया गया था और दावा किया गया कि इसमें केवल 5 से 10 किलोग्राम या लगभग 30 करोड़ रुपए मूल्य की चांदी ही असली थी, जबकि बाकी सामग्री नकली निकली।

नकली चांदी पर उठे सवाल?

शर्मा ने कहा कि यही बात उन्हें सबसे अधिक संदेहास्पद लगी। उनके अनुसार, यह मानना कठिन है कि लाखों श्रद्धालु देश के अलग-अलग हिस्सों से अलग-अलग समय पर खरीदी गई चांदी माता के दरबार में चढ़ाएं और वह सभी नकली निकल आए।

अयोध्या राम मंदिर के बाद गुजरात के अंबाजी मंदिर में दान चोरी की घटना

अहमदाबाद (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर के बाद गुजरात में स्थिति शक्तिपीठ अंबाजी मंदिर में दान चोरी की घटना सामने आई है। कैश चोरी का एक वीडियो सामने आने के बाद कलेक्टर ने व्यवस्था को बदला दिया है। अंबाजी मंदिर गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थिति है। वीडियो में दावा किया है कि आउटसोर्स कर्मचारी ने मंदिर से कथित तौर पर एक लाख रुपये चुराए। सोशल मीडिया पर एक पुराना सीसीटीवी वीडियो वायरल हुआ है जिसमें दान पेटी से कथित चोरी की घटना दिख रही है, हालांकि इस मामले के तूल पकड़ने के बाद मंदिर की व्यवस्था में बदलाव किया गया है। पिछले दिनों मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी ने भी इस मंदिर में मोटी धनराशि दान की थी।

कर्मचारी को नौकरी से निकाला गया- मंदिर प्रशासन के मुताबिक, यह घटना मई में हुई थी। आरोपी की पहचान चिराग ठाकोर के तौर पर हुई है। आरोप है कि जब दान की रकम (नोटों) की गिनती हो रही थी, तब उसने कैश का एक बंडल चुराने की कोशिश की। अधिकारियों ने बताया कि जब वह वॉशरूम जाने के बहाने गिनती वाले कमरे से बाहर निकल रहा था, तो उसकी जेब से कैश का बंडल गिर गया, जिससे बाकी कर्मचारियों को शक हुआ। बाद की जांच में दो और आउटसोर्स कर्मचारियों की मिलीभगत का पता चला।

- धार भोजशाला पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

मंदिर परिसर के पास हर शुक्रवार नमाज होगी

नईदिल्ली/धार (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को धार भोजशाला मंदिर के पास नमाज के लिए कोई खुला स्थान देने को कहा है। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए यह जगह दी जाए।

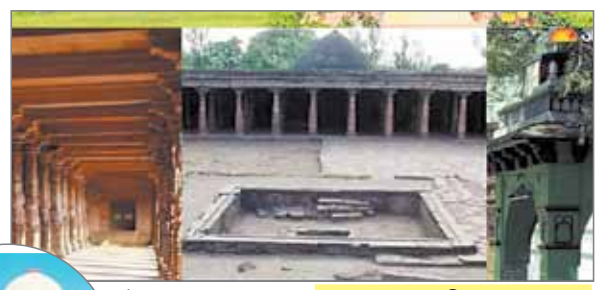

अदालत ने यह भी कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) बिना कोर्ट की मंजूरी परिसर में किसी भी तरह का बदलाव न करे। सुप्रीम कोर्ट एमपी हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें परिसर को मंदिर करार दिया गया है। सुनवाई के बाद भोजशाला संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला में नियमित पूजा-अर्चना जारी रहेगी। वहीं, तय जगह पर मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज अदा कर सकेंगे।

कोर्ट ने अंतरिम राहत देने से इनकार किया

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर को लेकर मुस्लिम पक्षों की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है। इन याचिकाओं में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर माना गया था और परिसर में नमाज अदा करने पर रोक लगा दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने मामले की सुनवाई की। हालांकि, कोर्ट ने फिलहाल अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। यानी पहले जैसी व्यवस्था बहाल नहीं होगी, जिसके तहत शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय को नमाज और निर्धारित दिनों में हिंदू पक्ष को पूजा की अनुमति थी।

ज्ञानवापी मामला

मध्यस्थता कोर्ट में सुनवाई पूरी, दोनों पक्षों ने समझौता से किया इनकार- ज्ञानवापी मामले में मध्यस्थता कोर्ट में सुनवाई आज (यानि मंगलवार) को पूरी हो गई। दोनों पक्षों ने

मध्यस्थता से इनकार कर दिया है। चार पत्रावलियों पर ये बातचीत हुई है। चारों पत्रावलियों के पक्षकार आए थे और सभी ने इस मामले में किसी भी प्रकार की मध्यस्थता से इनकार किया और कोर्ट के निर्णय को सर्वमान्य मानने की बात कही।

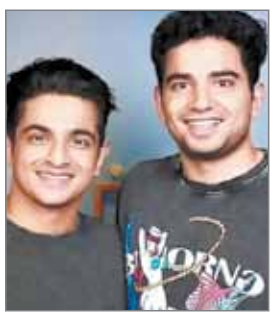

दिव्यांगों पर टिप्पणी- सुप्रीम कोर्ट ने कॉमेडियन समय रैना समेत 5 पर जुर्माना लगाया

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्टैंड-अप कॉमेडियन और यूट्यूबर समय रैना, रणवीर अलाहाबादिया, विपुल गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर, निशांत जगदीश तंवर पर 3 लाख रुपए जुर्माना लगाया है। अदालत ने दिव्यांगों पर विवादित टिप्पणी के केस में यह आदेश दिया है। अदालत ने कहा- हमें लगता है कि रैना ने अदालत को गुमराह किया और हमारे आदेशों का खुलेआम उल्लंघन किया। हम उन पर जुर्माना लगाते हैं, जिसे 2 हफ्ते में जमा करना होगा।

पीओके में बड़ा बवाल

पाकिस्तानी सेना की फायरिंग में 6 लोगों की मौत

भारत ने कहा- व्यवस्थित शोषण का नतीजा

इस्लामाबाद/नईदिल्ली (एजेंसी)। गुलाम कश्मीर (पीओके) में लगातार तनाव बढ़ रहा है। मंगलवार को रावलकोट में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने आम नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई की। जिसके बाद शहर के नए बस टर्मिनल के पास झड़प फिर से शुरू हो गई। इन झड़पों के दौरान पाकिस्तानी सेना की फायरिंग में छह आम नागरिक मारे गए।

मारे गए लोगों में जाहिद मुगल, जफर मुगल, अर्सलान अकबर और वाजिद हयात शामिल थे। वाजिद हयात की मौत रावलकोट के मटियाल मीरा बस टर्मिनल पर हुई। इस ताजा हिंसा ने इलाके में तनाव और बढ़ा दिया है, जहां इस्लामाबाद के खिलाफ नाराजगी लगातार बढ़ रही है।

पीओके की आवाज व्हाइट हाउस तक पहुंची

इस हिंसा से ठीक एक दिन पहले, अमेरिका में रहने वाले

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर समुदाय के लोग वॉशिंगटन में व्हाइट हाउस के बाहर जमा हुए। उन्होंने इलाके में तेजी से बिगड़ते मानवीय संकट की ओर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करने की मांग की।

रांची में चार नाबालिगों के साथ दरिंदगी

- एक पीड़िता के भागने के बाद खुलासा

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची के तुपुदाना थाना क्षेत्र से एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, चार नाबालिग लड़कियों को कथित तौर पर एक कमरे में बंधक बनाकर उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इस मामले का खुलासा तब हुआ, जब पीड़िताओं में से एक किसी तरह आरोपियों के चंगुल से निकलकर पुलिस तक पहुंची और पूरी घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और तुरंत छापेमारी कर तीन अन्य लड़कियों को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

छह आरोपी गिरफ्तार, दो नाबालिग भी शामिल- तुपुदाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गैंगस्टर रोहित गोदारा का आलीशान घर किसने गिराया?

- आधी रात सीएम भजनलाल की मीटिंग के बाद हुए एक्शन की राजस्थान में चर्चा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में 13 जुलाई 2026 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कानून-व्यवस्था को लेकर मीटिंग ली थी। इस हाई लेवल मीटिंग के दौरान सीएम ने साफ कहा था कि अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए। सीएम भजनलाल इस दौरान यह भी बोले कि प्रदेश में अपराध किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अपराधियों पर ऐसी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए कि उनकी रूह कांप जाए। इस मीटिंग के खत्म होने के बाद प्रदेश में कुछ ऐसा हो गया, जो आज चर्चा का विषय बना हुआ है।

सीएम की मीटिंग, ढहा गोदारा का पैतृक घर- उल्लेखनीय है कि सीएम की मीटिंग के बाद आधी रात में प्रदेश में अपराध के खिलाफ बड़ा एक्शन हो गया। दरअसल, राजस्थान के सबसे बड़े और कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा का पैतृक गांव बीकानेर में जेसीबी से दो मंजिला मकान का बड़ा हिस्सा ढहा दिया गया, लेकिन इस कार्रवाई को किसने अंजाम दिया, इस पर अब भी रहस्य बना हुआ है।

ईरानी सेना का ऐलान

अमेरिकी दबाव से नहीं खुलेगा होर्मुज, ओमान में तेल टैंकर पर मिसाइल से हमला, भारतीय की मौत, राजदूत तलब

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी/नईदिल्ली (एजेंसी)। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में सोमवार देर रात यूएई के दो तेल टैंकरों एमटी अल बहियाह और एमटी मोम्बासा पर क्रूज मिसाइलों से हमला किया। इसमें एक भारतीय की मौत हो गई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों जहाजों में 46 क्रू मेंबर्स थे जिसमें कुल 30 भारतीय थे।

मंत्रालय के मुताबिक एमटी अल बहियाह पर सवार 12 भारतीयों में से एक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। वहीं, एमटी मोम्बासा पर मौजूद 18 भारतीयों में से 9 घायल हुए हैं। इनमें 2 की हालत गंभीर बताई गई है।भारत ने मंगलवार सुबह ईरान के उप राजदूत मोहम्मद जवाद हुसैनी समेत ईरानी डिप्लोमेट्स को तलब किया। विदेश मंत्रालय ने घटना पर गंभीर चिंता जताई और ईरानी मिशन से जवाब मांगा। इधर, अमेरिका ने मंगलवार सुबह ईरान पर करीब पांच घंटे बमबारी की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, बुशहर, चाबहार, जास्क, कोनार्क, अबू मूसा और बंदर अब्बास स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

11 साल में तीसरी बार मानसून पर ब्रेक

- यूपी में अब तक 19 प्रतिशत, एमपी में 3 प्रतिशत कम बारिश

नई दिल्ली/लखनऊ/भोपाल (एजेंसी)। देश के बड़े हिस्से में जुलाई में मानसून ब्रेक जैसी स्थिति बनी है। साल 2015 और 2021 के बाद 11 साल में यह तीसरा मौका है। मौसम विभाग के मुताबिक 6-7 दिनों तक उत्तर-पश्चिम, मध्य और दक्षिण भारत के अधिकांश हिस्सों में बारिश के आसार कम हैं। हालांकि, पूर्वोत्तर, बिहार और पश्चिम बंगाल में तेज बारिश जारी रहेगी। मध्य प्रदेश में पहली बार जुलाई में मानसूनी सीजन में कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अब तक 241.8 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य बारिश 250.1 मिमी से 3 प्रतिशत कम है।

वहीं, उत्तर प्रदेश में 1 जून से 13 जुलाई के बीच 161.6 मिमी बारिश हुई, जो कि औसतन 199.7 मिमी से 19 प्रतिशत कम है। राजस्थान में पिछले 24 घंटे में कहीं भी बारिश नहीं हुई। श्रीगंगानगर में अधिकतम पारा 41.5 डिग्री रहा।

नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में बाढ़ जैसे हालात- पूर्वोत्तर में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बिहार, असम, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल में लैंडस्लाइड और बाढ़ की खबरें सामने आ रही हैं।

हीट इंडेक्स यानी फील लाइक टेम्परेचर बढ़ेगा

दरअसल, हवा में नमी बढ़ने पर शरीर से निकलने वाला पसीना जल्दी नहीं सूखता। इससे शरीर ठंडा नहीं हो पाता और मौसम वास्तविक तापमान से कहीं ज्यादा गर्म लगता है। इसे हीट इंडेक्स कहते हैं। भुवनेश्वर में पारा 36 डिग्री और 63 प्रतिशत आर्द्रता के साथ हीट इंडेक्स 49 डिग्री तक पहुंच गया। मुंबई में 32 डिग्री पारा होने के बावजूद 70 प्रतिशत नमी के चलते 40ए जैसी गर्मी महसूस हो रही है। दिल्ली और श्रीगंगानगर में हीट इंडेक्स करीब 45-46 डिग्री है।

अरुणाचल प्रदेश : 84 मीटर लंबा पुल बहा, 8 गांवों का संपर्क टूटा- अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ में क्रा दादी जिले में कुमेय नदी पर बना 84 मीटर लंबा पुल सोमवार को बाढ़ में बह गया। इसके बाद 8 गांवों का राज्य के बाकी हिस्सों से संपर्क पूरी तरह कट गया। राज्य में बारिश के कारण आई बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 29 लोग घायल हुए हैं। 26 जिलों के 425 गांवों में रहने वाले 97,182 लोग प्रभावित हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

महिला होमगार्ड जवान से मारपीट मामले में ट्रेनर गिरफ्तार, लव मैरिज के बाद साथ रहने से की मना

हाजीपुर। वैशाली के गोरौल थाना क्षेत्र में महिला होमगार्ड जवान के साथ मारपीट और उसे बंधक बनाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने मुख्य आरोपी फिजिकल ट्रेनर सुबोध पासवान को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में यह सामने आया कि आरोपी सुबोध पासवान महिला होमगार्ड जवान से शादी किए हुए था। लेकिन होमगार्ड जवान उसके साथ नहीं रहना चाह रही थी। इसलिए आरोपी उसे जबरन अपने घर ले गया था। महुआ एसडीपीओ संजीव कुमार ने बताया कि 3 दिन पहले गोरौल थाना और डायल 112 को सूचना मिली थी कि सुबोध पासवान एक महिला को जबरदस्ती अपने घर में बंधक बनाकर रखे हुए है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लड़की को रेस्क्यू कर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। बाद में पीड़िता का बयान दर्ज कर केस दर्ज किया गया। महिला होमगार्ड जवान ने थाने में दी गई प्राथमिकी में बताया कि 10 जुलाई की शाम वह अपनी बहन के साथ बेलवर बाजार से सब्जी लेकर साइकिल से घर लौट रही थी। मछु पासवान के घर के पास अंधेरे में सुबोध कुमार और टुनटुन पासवान पिता गनौर महतो पहले से खड़े थे। आरोप है कि दोनों ने उसका बाल पकड़कर साइकिल सहित नीचे गिरा दिया। सुबोध ने पीठ पर जोर से मारा और साइकिल उठाकर उस पर दे मारी। बीच-बचाव करने आए दादा जी को भी सुबोध ने धक्का देकर गिरा दिया और धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि इसके बाद मछु पासवान, बृजकिशोर पासवान पिता ननपत पासवान, सुबोध की पत्नी और मां अकली देवी भी आ गईं। सभी ने मिलकर उसे मारते-पीटते और बाल पकड़कर घसीटते हुए अपने घर ले गए। घर के पास वह बेहोश हो गई। होश आने पर वह सुबोध के घर में थी। इसी बीच उसकी बहन ने परिजनों को बुलाया और मां ने डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस के पहुंचने पर उसकी जान बच सकी। पीड़िता को पहले पीएचसी गोरौल ले जाया गया, हालत गंभीर होने पर उसे सदर अस्पताल रेफर किया गया। रविवार को उसने थाने में जाकर बयान दर्ज कराया। बयान और जांच में यह बात भी सामने आई है कि सुबोध पासवान पहले से शादीशुदा है। इसके बावजूद वह पीड़िता से प्रेम विवाह किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बाबा रामदेव के खिलाफ मुजफ्फरपुर कोर्ट में परिवाद, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप

मुजफ्फरपुर। योग गुरु बाबा रामदेव उर्फ रामकृष्ण यादव के खिलाफ मुजफ्फरपुर व्यवहार न्यायालय में एक परिवाद दायर किया गया है। यह परिवाद हक-ए-हिंदुस्तान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तमन्ना हाशमी ने दायर किया है। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि 13 जुलाई 2026 की रात बाबा रामदेव का एक बयान टीवी पर प्रसारित हुआ था। इस बयान में उन्होंने कहा था कि मुसलमानों का मूल भी हिंदुओं से है और सबका बाप एक है। परिवादी तमन्ना हाशमी का आरोप है कि इस बयान से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और समाज में धार्मिक उन्माद फैलने की आशंका है। इस परिवाद में बाबा रामदेव उर्फ रामकृष्ण यादव को आरोपी बनाया गया है। परिवादी ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 299 और 302 के तहत कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने न्यायालय से मामले का संज्ञान लेने और विधिसम्मत कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। यह परिवाद भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 212 के तहत दायर किया गया है। न्यायालय ने परिवाद स्वीकार कर लिया है और मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को निर्धारित की है।

नेपाल में बारिश से उफान पर बागमती, कटरा पीपा पुल डूबा, 22 पंचायतों का संपर्क प्रभावित

मुजफ्फरपुर। नेपाल में लगातार हो रही बारिश का असर अब मुजफ्फरपुर में साफ दिखने लगा है। बागमती नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे औराई को कटरा प्रखंड से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण कटरा पीपा पुल पूरी तरह डूब गया है। पुल के डूबने से कटरा और आसपास की 16 से 22 पंचायतों के हजारों लोगों का प्रखंड मुख्यालय से संपर्क प्रभावित हो गया है। अब लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए 15 से 40 किलोमीटर तक अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। जल संसाधन विभाग के अनुसार सोमवार रात 8 बजे तक बागमती नदी का जलस्तर प्रति घंटे करीब 10 सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रहा था। मंगलवार सुबह तक नदी का जलस्तर खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच गया। विभाग ने आशंका जताई है कि अगर यही स्थिति बनी रही तो नदी खतरे का निशान पार कर सकती है, जिससे कटरा प्रखंड के निचले इलाकों और कई गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश करने की संभावना बढ़ जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि पीपा पुल बंद होने से सबसे अधिक परेशानी छात्रों, मरीजों और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले लोगों को हो रही है। यह पुल क्षेत्र के हजारों लोगों के लिए आवागमन का प्रमुख साधन है। इधर, जिले में मानसून भी पूरी तरह सक्रिय है। सोमवार को दिनभर बादलों और धूप की आंख-मिचौनी के बीच उमस बनी रही। देर शाम मौसम ने अचानक करवट ली और तेज हवा के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। किसानों के लिए भी यह बारिश फायदेमंद मानी जा रही है, क्योंकि धान समेत खरीफ फसलों के लिए पर्याप्त नमी मिल रही है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में जिले में 14.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। मानसून ट्रफ और चक्रवाती परिसंचरण के सक्रिय रहने के कारण अगले 24 घंटे के दौरान जिले में कई स्थानों पर झमाझम बारिश, मेघ गर्जन, वज्रपात और 65 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने तथा अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने की अपील की है।

थाने के बाहर पति-पत्नी और साले के बीच मारपीट, एक-दूसरे को चप्पल और घूंसे से मारा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के मोतीपुर थाना के बाहर पति-पत्नी और साले के बीच मारपीट हो गई। जिसका वीडियो भी सामने आया है। देखा जा सकता है कि महिला अपने पति को चप्पल से पीटती नजर आ रही है। दोनों पक्षों से धक्का-मुक्की हो रही। घूंसे भी चल रहे हैं। जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पहले से पारिवारिक विवाद चल रहा है और मामला फैमिली कोर्ट में विचाराधीन है। इसी विवाद को लेकर सोमवार को मोतीपुर थाना के सामने दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, जिसके बाद विवाद मारपीट में बदल गया। महिला के भाई विनोद मिश्रा, निवासी माहवाल (मोतीपुर), ने बताया कि करीब 10 साल पहले बहन राजकुमारी की शादी करजा थाना क्षेत्र के बड़कागांव निवासी अनिल तिवारी से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से अनिल शराब के नशे में पत्नी के साथ अक्सर मारपीट करता था। एक बार उसकी हत्या की कोशिश भी की गई थी, लेकिन आसपास के लोगों ने बचा लिया। इसके बाद बहन को मायके लाकर रखा गया। विनोद मिश्रा का आरोप है कि अनिल तिवारी कई बार चोरी-छिपे उनकी बहन को ले जाने की कोशिश करता था। कभी घर के पीछे से पहुंचता तो कभी अन्य लोगों को भेजकर धमकी दिलवाता था। बीती रात भी वह घर पहुंचा और जान से मारने की धमकी दी। सोमवार को उसने फोन कर मोतीपुर थाना के पास बुलाया। इसके बाद वे लोग डायल-112 पुलिस टीम की मौजूदगी में वहां पहुंचे। बातचीत के दौरान अनिल ने कथित रूप से हाथापाई शुरू कर दी, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट हो गई। इधर, मोतीपुर थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। दोनों पक्षों के बीच पहले से फैमिली कोर्ट में विवाद चल रहा है। उसी मामले को लेकर थाना के बाहर कहासुनी के बाद मारपीट हुई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महावीर कैंसर संस्थान-65 लाख की सेंगर सीक्वेंसिंग मशीन का उद्घाटन

ढाई घंटे में बताएगी कैंसर की जीन, बाकी जगहों से आधे रेट में होगी जांच

एजेंसी, पटना

पटना के महावीर कैंसर संस्थान में 65 लाख रुपये की लागत से सेंगर सीक्वेंसिंग मशीन स्थापित की गई है। इस अत्याधुनिक मशीन से अब कैंसर जीन की सटीक पहचान और जांच संभव हो सकेगी, जिससे मरीजों का इलाज आसान होगा। महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायन कुणाल ने मंगलवार को फुलवारीशरीफ स्थित संस्थान में मशीन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह सेंगर सीक्वेंसिंग मशीन कैंसर मरीजों के लिए वरदान साबित होगी, जिससे जीन की पहचान कर सही समय पर सटीक इलाज मिल पाएगा। एचबीसीएचआरसी, मुजफ्फरपुर के निदेशक डॉ. कुमार प्रभास ने बताया कि यह सैंगर सीक्वेंसिंग मशीन बिहार में पहली बार महावीर कैंसर संस्थान को मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि इससे गरीब मरीजों को अब महंगे जांच के लिए राज्य से बाहर नहीं जाना पड़ेगा, क्योंकि संस्थान में कई तरह की जांचें आधे से भी कम कीमत पर उपलब्ध होंगी।

मशीन कैंसर से जुड़े जीनों की सटीक पहचान करेगाः महावीर कैंसर संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एलबी सिंह ने जानकारी दी कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL) ने इस मशीन की पूरी लागत वहन की है। रिसर्च विभाग के प्रभारी डॉ. प्रोफेसर अशोक घोष ने इसे बिहार में कैंसर के इलाज और अनुसंधान के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह मशीन कैंसर से जुड़े जीनों की सटीक पहचान में सहायक होगी।

मशीन कैसे पहचानेगी कैंसर की जीनः रिसर्च विभाग के डॉक्टर मोहम्मद अली ने बताया, इस मशीन के माध्यम से कैंसर के जीन की गहराई से जांच संभव होगी। सबसे पहले मरीज के ट्यूमर या रक्त के नमूने से डीएनए निकाला जाता है।

चार मरीजों की सैंपल की ढाई घंटे में होती है जांचः डॉक्टर अली ने बताया कि यहां प्रतिदिन कैंसर के 100 से 120 नए मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं, जिसमें ज्यादा संख्या तीसरे स्टेज वाले मरीजों की होती है। उन्होंने यह भी बताया कि तीसरे स्टेज वाले मरीजों की उम्र लगभग 30 से 50 साल के बीच होती है, जबकि यहां कैंसर पीड़ित 2 से 16 वर्ष के बच्चों की भी संख्या काफी इलाज के लिए पहुंच रही है।

डॉक्टरों अली का कहना है कि इस मशीन के आने से न केवल कैंसर की जल्दी और सटीक पहचान संभव होगी, बल्कि मरीजों के लिए 'पर्सनलाइज्ड ट्रीटमेंट' यानी उनकी जेनेटिक प्रोफाइल के अनुसार, इलाज भी तय किया जा सकेगा। इससे उपचार की सफलता दर बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जांच के लिए मरीजों को दिल्ली या अन्य बड़े शहर जाने की जरूरत नही है, जिससे समय और खर्च दोनों अधिक होता था।

नेपाल में बारिश से उफनाई बागमती, पीपा पुल डूबा

एजेंसी, पटना

❐ गोपालगंज में सड़कों पर पानी, कटिहार-खगड़िया में बारिश, बिहार के 10 जिलों में अलर्ट

मौसम विभाग ने आज 10 जिलों में आज तेज बारिश की संभावना जताई है। खगड़िया, कटिहार और पटना के कुछ इलाकों में मंगलवार सुबह बारिश हुई। बेगूसराय में बादल छाए हैं। नेपाल में बारिश से मुजफ्फरपुर में बागमती नदी का जलस्तर बढ़ गया है। जिससे औराई को कटरा ब्लॉक से जोड़ने वाला कटरा पीपा पुल डूब गया।

इधर, मुंगेर में गंगा का लेबल लगातार बढ़ रहा है। दियारा इलाके में कटाव हो रहा है। गोपालगंज में सड़कों पर पानी भरा है। मौसम विभाग ने 28 जिलों में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। बीच-बीच में हल्के बादल छाए रह सकते हैं। उमस लोगों को परेशान करेगी।

बिहार में मानसून की रफ्तार एक बार फिर धीमी पड़ गई है। हालांकि मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक, 15 जुलाई से बंगाल की खाड़ी से नमी बढ़ने के साथ मानसून फिर एक्टिव होगा। 15 से 19 जुलाई के बीच उत्तर और पश्चिमी बिहार के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। इस दौरान 30 से 40 Kmph की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। आकाशीय बिजली गिरने को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है।

सोमवार को बगहा,सस्तीपुर में सुबह से बारिश हो रही है। सीवान में रविवार रात हुई बारिश के बाद सदर अस्पताल के परिसर में पानी घुस गया है। मरीजों का आने जाने में परेशानी हो रही है। वहीं रक्सौल में बारिश के बाद भारत नेपाल को जोड़ने वाली सड़क पर 2 फीट तक पानी भर गया है। नेपाल में रही लगातार बारिश से सुपौल में कोसी उफान पर है। कोसी बराज से सोमवार सुबह 10 बजे 1 लाख 44 हजार 875 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। तटबंधों की निगरानी भी बढ़ा दी गई है।

उप चुनाव की आचार संहिता के बीच 2.80 लाख जब्त

एजेंसी, पटना

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर आचार संहिता लगा है। इस बीच एक ओला गाड़ी से 2.80 लाख रुपए बरामद हुए हैं। पुलिस सोमवार रात वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान श्रीकृष्णापुरी थाना क्षेत्र के शिवपुरी चेक पोस्ट के पास एक संदिग्ध गाड़ी दिखी। कार रोक कर तलाशी ली गई तो बैग से कैश मिले। गाड़ी में मौजूद शख्स से पूछताछ की गई, लेकिन उसने संतोष जनक जवाब नहीं दिया। जिसके बाद कैश को जब्त कर लिया गया।

पाटलिपुत्र CO की मौजूदगी में कार्रवाईः पाटलिपुत्र के अंचलाधिकारी अनुज कुमार ने कैश को श्रीकृष्णापुरी थाने के हवाले किया है। आवेदन के मुताबिक गाड़ी में मौजूद शख्स ने पूछताछ के दौरान बताया कि उसका नाम दिनेश वर्मा (26) है और छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। पटना में रेंट एग्रीमेंट के लिए रुपए लेकर आया था। जिससे एग्रीमेंट हुआ था, जब उसे बुलाया गया तो वो शख्स नहीं आया। इसके बाद रुपए जब्त कर लिए गए। दिनेश अभी दानापुर आदमपुर के संचार नगर में ठहरा है। पटना सेंट्रल एसपी ममता कल्याणी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि वाहन चेकिंग के दौरान 280000 रुपए कैश बरामद किए गए हैं। फिलहाल संतोष जनक जवाब नहीं देने के चलते रुपए जप्त कर लिए गए हैं। छानबीन जारी है।

'शराब के धंधे में हिस्सेदारी चाहता था बंटी यादव'

एजेंसी, पटना

पटना में 6 जुलाई को हुए बंटी यादव अपहरण और हत्या मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रौशन कुमार और अजीत कुमार साहनी के रूप में हुई है। सेंट्रल SP ममता कल्याणी ने बताया कि रौशन और अजीत अन्य आरोपियों के साथ वारदात में शामिल थे। दोनों की गिरफ्तारी के दौरान उनके पास से 3 मोबाइल फोन और 28 हजार रुपए नकद बरामद किए गए हैं।

पुलिस अब तक रोहित, बजरंगी और ऑटो चालक रवि उर्फ चंदू को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। मुख्य आरोपी रवीश रवीश कुमार उर्फ बीसी अब भी फरार है। वहीं, गिरफ्तार रोहित ने अपना जुर्म कबूल किया है। पूछताछ में रोहित ने बताया कि रवीश का संबंध मोनी किन्नर के साथ था। किन्नर के साथ रवीश यूपी से ट्रेन के जरिए पटना में शराब बेचता था। पुलिस के मुताबिक, मृतक बंटी भी शराब के अवैध कारोबार में अपनी हिस्सेदारी की मांग कर रहा था।

किन्नर से विवाद के बाद बंटी की हुई थी पिटाई-अपहरणः वहीं आरोपी रोहित ने कबूलनामे में बताया, "शराब पीने के बाद झगड़ा शुरू हुआ था। शंकर, सूरज, अजीत और रवीश उर्फ बीसी मिलकर बंटी को दौड़ाते और धमकाते हुए स्टेशन के पास चाय की दुकान तक ले गए। वहां फिर विवाद हुआ। मैं भी उनके पीछे-पीछे दौड़ा था। मैं शराब नहीं पीता, लेकिन उनके साथ मौजूद था। वे लोग बंटी के साथ मारपीट कर रहे थे। इसी दौरान रवीश किसी किन्नर को मैसेज कर रहा था। उसी किन्नर से बंटी का शराब के धंधे को लेकर विवाद हुआ था। बाद में सभी लोग बंटी को चाय की दुकान से धक्का देकर टाटा पार्क ले गए। वहां ऑटो (नंबर-5666) में रवीश और अजीत ने बंटी को धक्का देकर बैठाया और अपने साथ ले गए।"

❐ आरोपी का कबूलनामा- किन्नर मोनी से विवाद के बाद मारपीट-अपहरण, मुख्य आरोपी रवीश अब भी फरार

अवैध करोबार की कमाई में हिस्सा की मांग को लेकर था विवादः इस अवैध कारोबार को लेकर इनलोगों के बीच आये दिन झगड़ा झंझट होते रहता था। बंटी यादव अवैध करोबार से हुई कमाई में हिस्सा की मांग की जाती थी, इसी कारण से दोनों में विवाद था। इसी विवाद को लेकर घटना के दिन 1. शंकर कुमार 2. रौशन कुमार, 3. रोहित कुमार, 4. सोनू, 5. मोनी किन्नर, 6. सुरज, 7. बजरंगी कुमार, 8. रवि कुमार सभी मिलकर साजीश के तहत बंटी कुमार का अपहरण कर मारपीट कर हत्या कर दी गई और शव को अथमलगोला थाना क्षेत्र अन्तर्गत मोकामा फोर लेन के बगल में खेत में बालू से ढक दिये।

बता दें कि 6 जुलाई को बंटी का पटना जंक्शन के पास स्थित टाटा पार्क के समीप से अपहरण कर लिया गया था। अपहरण के 5 दिन बाद (11 जुलाई) को उसका शव पटना से करीब 60Km दूर अथमलगोला में मिला। शव की हालत बेहद खराब थी। चेहरा बुरी तरह कुचला हुआ था, जिससे आंख और नाक की पहचान करना मुश्किल था। बायां हाथ सुरक्षित था, लेकिन दाहिने हाथ में केवल हड्डियां बची थीं। पूरे शरीर पर चोट के गहरे निशान थे और शव गलना शुरू हो चुका था।

स्विमिंग रेफरी बनने के लिए दी जाएगी ट्रेनिंग बीएसएसए शुरू कर रहा सर्टिफिकेट कोर्स

एजेंसी, पटना

20 जुलाई तक कर सकते रजिस्ट्रेशन

बिहार में अगर किसी को स्विमिंग का रेफरी बनना हो तो उसके लिए एक खास मौका है। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर बिहार राज्य खेल प्राधिकरण 2 दिन का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने जा रहा है। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित "फाउंडेशन्स ऑफ टेक्निकल ऑफिशिएटिंग सर्टिफिकेट कोर्स" राजगीर के राज्य खेल अकादमी में आयोजित होगा। इसमें टेक्निकल रेफरी का अपग्रेडेशन और स्किल सिखाया जाएगा।

20 जुलाई की शाम तक रजिस्ट्रेशनः बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्रन शंकरण ने कहा कि इस कोर्स में बिहार के पूर्व स्विमिंग चैंपियंस, स्विमिंग कोच या स्विमिंग में रुचि रखने वाले या जानने वाले भाग ले सकते हैं। इसके लिए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के वेबसाइट पर या फिर QR कोड स्कैन करके गूगल फॉर्म भरना होगा।

इस गूगल फॉर्म को भरकर ही रजिस्टर करना होगा। इसकी आखिरी तारीख 20 जुलाई शाम के 6:00 बजे तक है। रजिस्टर करने वाले को दो दिन तक प्राधिकरण की ओर से अकोमोडेशन और खाने की सुविधा दी जाएगी।

राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप के लिए बिहार टीम का होगा चयनः इसके अलावा आगामी 42वीं सब-जूनियर और 52वीं जूनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप-2026 के लिए टीम के चयन के लिए प्रतियोगिता 25 और 26 जुलाई को राजगीर स्थित स्टेट स्पोर्ट्स अकादमी के अत्याधुनिक स्विमिंग पूल परिसर में आयोजित की जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य भर से बेहतरीन तैराकों का चयन करना है, ताकि उन्हें राष्ट्रीय मंच पर बिहार का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिल सके। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी खेल प्राधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर गूगल फॉर्म के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकते हैं। फॉर्म भरते समय खिलाड़ियों को अपना नाम, जिला और जन्मतिथि जैसी सभी आवश्यक जानकारियां दर्ज करनी होंगी।

7 साल पुराने आदेश में दखल से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

एजेंसी, पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव को देवघर चारा घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार की उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें झारखंड हाईकोर्ट की ओर से लालू यादव की सजा निलंबित किए जाने के आदेश को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद फिलहाल लालू यादव को मिली राहत बरकरार रहेगी।

जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने कहा कि झारखंड हाईकोर्ट का यह आदेश करीब 7 साल पुराना है। ऐसे में इस स्तर पर उसमें हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं बनता। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि 2018 से लंबित अपीलों का जल्द निपटारा होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट से अनुरोध किया कि देवघर चारा घोटाला मामले से जुड़ी लंबित अपीलों की जल्द सुनवाई कर उनका निपटारा किया जाए, ताकि मामले पर अंतिम फैसला जल्द आ सके।

कपिल सिब्बल ने रखा लालू यादव का पक्षः सुनवाई के दौरान लालू प्रसाद यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अदालत में पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार कानून की गलत व्याख्या कर रही है। उनका कहना था कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 427 का सवाल अंतिम सुनवाई के समय तय होता है, न कि अंतरिम चरण में। कपिल सिब्बल ने यह भी दलील दी कि अलग-अलग मामलों में दी गई सजा एक साथ (कंकरेंट) चलेगी या एक के बाद एक (कन्सीक्यूटिव), इसका फैसला अदालत अपने विवेक से करती है।

बांकीपुर उपचुनाव- तेजप्रताप की कैंडिडेट वीणा मानवी का नॉमिनेशन रद्द

एजेंसी, पटना

पटना की बांकीपुर सीट पर तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल (JJD) की उम्मीदवार वीणा मानवी का नामांकन रद्द हो गया है। जिला निर्वाचन कार्यालय के मुताबिक, वीणा मानवी के नामांकन में 10 प्रस्तावक चाहिए थे, लेकिन सिर्फ 9 प्रस्तावक ही पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि प्रस्तावकों की निर्धारित संख्या पूरी नहीं होने के कारण उनका नामांकन रद्द किया गया।

इसके अलावा उनके कई दस्तावेजों में भी त्रुटियां पाई गई हैं। वीणा मानवी का नामांकन रद्द होने की जानकारी मिलते ही तेजप्रताप यादव पटना कलेक्ट्रेट पहुंचे हैं। बता दें कि बांकीपुर सीट पर उपचुनाव के लिए कुल 57 लोगों ने नामांकन किया था। इनमें निर्दलीय उम्मीदवार

प्रिय किन्नर समेत 18 उम्मीदवारों के नामांकन रद्द कर दिए गए हैं। वहीं, RJD की रेखा कुमारी गुप्ता समेत अब तक 39 लोगों का नॉमिनेशन एक्सेप्ट हुआ है।

सोमवार को नामांकन दाखिल करने के बाद पटना पुलिस ने उन्हें धोखाधड़ी के एक पुराने मामले में गिरफ्तार किया था। हालांकि, बाद में उन्हें कोर्ट से जमानत मिल गई। वीणा मानवी के खिलाफ 2009 में एक परिवाद दायर किया गया था, जिसके आधार पर उनके खिलाफ वारंट जारी हुआ था।

इस्कॉन मंदिर में जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव की शुरुआत

एजेंसी, पटना

इस्कॉन पटना में आज से जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव की शुरुआत हुई। मंदिर में 3 दिनों तक जगन्नाथ कथा होगी। कृष्ण चैतन्य स्वामी महाराज (ओडिशा) ने जगन्नाथ कथा सुनाएंगे। ये महोत्सव तीन दिन तक चलेगा और उसके बाद फिर 16 जुलाई को दोपहर 1 बजे विशेष पूजा और महाआरती के बाद 3 बजे से रथयात्रा शुरू होगी। इस बार क्रेन से भगवान को 108 प्रकार के व्यंजनों का महाभोग लगाया जाएगा। वृंदावन, मायापुर से कीर्तन के लिए लोग आएंगे। इस रथयात्रा में पटना और आसपास के क्षेत्रों से 4 लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

इस्कॉन के टीएमसी को-चेयरमैन रमन मनोहर दास ने बताया कि 40 फीट ऊंचे हाइड्रोलिक रथ पर भगवान सवार होंगे। रथ के रंग-रोगन और साज-सज्जा का काम तेजी से चल रहा है। यह रथ आधुनिक तकनीक से लैस है, जिसे आवश्यकता के अनुसार छोटा या बड़ा किया जा सकेगा। शहर के रूट पर जहां भी बिजली के ढीले तार, खंभे या पेड़ रूकावट होंगे, वहां इस रथ की ऊंचाई को

तुरंत कम किया जा सकेगा, जिससे यात्रा बिना किसी बाधा के सुरक्षित रूप से आगे बढ़ सकेगी।

1 बजे से विशेष पूजा, 2 बजे से नगर भ्रमणः रथ यात्रा के दिन दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक बुद्धमार्ग स्थित इस्कॉन मंदिर में भगवान की विशेष पूजा-अर्चना और महाआरती होगी। इसके बाद भव्य रथ यात्रा की शुरुआत होगी। रथ यात्रा के दौरान दोपहर 12 बजे से लेकर रात 9 बजे तक पूरे मार्ग और मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की ओर से अखंड भजन-कीर्तन का गायन किया जाएगा।

हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए जाएंगेः महाप्रभु के स्वागत के लिए रथ यात्रा के पूरे मार्ग को बेहद खूबसूरती से सजाया जाएगा। रास्ते में जगह-जगह पर भव्य और आकर्षक रंगोली बनाई जाएगी, जिसे बनाने के लिए पटना के साथ-साथ देश के विभिन्न हिस्सों और बाहर से भी विशेष कलाकार आ रहे हैं। इसके साथ ही, पूरी यात्रा के दौरान भगवान और श्रद्धालुओं पर लगातार पुष्प वर्षा की जाएगी। भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा पर हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए जाएंगे।

श्रद्धालुओं से पुण्य के भागी बनने की अपीलः इस्कॉन मंदिर प्रबंधन (TMC) के को-चेयरमैन रमन मनोहर दास और आदिकर्ता दास ने पटना के समस्त श्रद्धालुओं से इस रथ यात्रा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ के रथ की डोरी खींचने मात्र से ही जीवन के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। सभी श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होकर महाप्रभु का आशीर्वाद लें और पुण्य के भागी बनें।

संक्षिप्त समाचार

रामगढ़वा में निजी अस्पतालों पर स्वास्थ्य विभाग सख्त, 24 घंटे में कागजात जमा नहीं किए तो होगी सीलिंग की कार्रवाई

बीएनएम@ रामगढ़वा। प्रखंड में बिना मानक और आवश्यक अनुमति के संचालित निजी स्वास्थ्य संस्थानों पर स्वास्थ्य विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। सिविल सर्जन सह सदस्य सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति, मोतिहारी के निर्देश के बाद प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नितेश ध्वज सिंह ने निजी नर्सिंग होम, पैथोलॉजी, एक्स-रे एवं अल्ट्रासाउंड केंद्रों को 24 घंटे के भीतर आवश्यक दस्तावेज जमा करने का अल्टीमेटम दिया है। पीएचसी रामगढ़वा द्वारा जारी पत्रांक-277, दिनांक 11 जुलाई 2026 के अनुसार सभी निजी स्वास्थ्य संस्थानों के संचालकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने संस्थान से संबंधित सभी आवश्यक कागजात पीएचसी कार्यालय में जमा करने होंगे। निर्धारित अवधि में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने वाले संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उन्हें सील भी किया जा सकता है। यह कार्रवाई रामगढ़वा थाना चौक, हनुमान मंदिर चौक, भलुवाहिया, स्टेशन रोड, पखनहिया चौक, नरीगिर चौक सहित पूरे प्रखंड में संचालित दो दर्जन से अधिक निजी स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों पर लागू होगी। विभागीय सूत्रों के अनुसार कई संस्थानों के बिना पंजीकरण, बिना योग्य चिकित्सकों के संचालन, अनियमित अल्ट्रासाउंड जांच तथा बायोमेडिकल कचरे के अनुचित निस्तारण की शिकायतें लगातार मिल रही थीं, जिसके बाद यह कदम उठाया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने जिन दस्तावेजों को अनिवार्य किया है उनमें संस्थान का वैध पंजीकरण प्रमाण पत्र, अग्निशमन विभाग का एनओसी, स्वच्छ पेयजल उपलब्धता का प्रमाण, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन से संबंधित प्रमाण पत्र तथा चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की शैक्षणिक योग्यता से जुड़े प्रमाणपत्र शामिल हैं। नोटिस जारी होने के बाद निजी स्वास्थ्य संस्थानों के संचालकों में हलचल तेज हो गई है। कई संचालक आवश्यक दस्तावेज जुटाने में लगे हैं, जबकि कुछ ने 24 घंटे की समय सीमा को कम बताया है। दूसरी ओर स्थानीय लोगों ने विभाग की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि इससे अवैध और मानकविहीन चिकित्सा संस्थानों पर अंकुश लगेगा तथा मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नितेश ध्वज सिंह ने बताया कि निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद टीम गठित कर औचक निरीक्षण किया जाएगा। जांच में मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित संस्थानों के विरुद्ध तत्काल विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

शोध के क्षेत्र में पावापुरी की श्वेता ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

बीएनएम@ गिरियक। पावापुरी की होनहार शोधार्थी श्वेता कुमारी ने मगध विश्वविद्यालय से गृह विज्ञान विषय में अपनी पीएचडी की मौखिक (वाइवा-वोसे) परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर ली है। इसके साथ ही उनकी शोध उपाधि प्राप्त करने की अंतिम प्रक्रिया पूरी हो गई है। श्वेता के शोध का विषय "शिक्षित कामकाजी महिलाओं की समस्या का अध्ययन (नवादा जिले के संदर्भ में)" था। उन्होंने यह शोध कार्य गृह विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. स्मिता के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न किया।परीक्षा के दौरान बाह्य परीक्षक की उपस्थिति में उनके शोध कार्य को अत्यंत संतोषजनक पाया गया। इस उपलब्धि पर श्वेता के परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। क्षेत्र के लोगों ने इसे पावापुरी के लिए गौरव का क्षण बताते हुए श्वेता को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि श्वेता का यह शोध कामकाजी महिलाओं से जुड़े सामाजिक एवं व्यावहारिक मुद्दों को समझने और उनके समाधान हेतु महत्वपूर्ण दिशा प्रदान करेगा।

पोखरपुर को हराकर पुरी बनी चैंपियन

विजेताओं को मिला सम्मान

बीएनएम@ गिरियक। पोखरपुर प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला सोमवार रात अत्यंत रोमांचक रहा, जिसमें पुरी की टीम ने मेजबान पोखरपुर को 28 रनों से हराकर खिताबी जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए पुरी ने निर्धारित 10 ओवरों में 123 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में पोखरपुर की टीम निर्धारित ओवरों में 95 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ ही पुरी की टीम ने टूर्नामेंट की ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमा लिया।समापन समारोह में जदयू प्रदेश सचिव विजय कुमार सिन्हा, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश कुमार और आयोजन समिति के पंकज सिन्हा ने विजेता पुरी टीम को 4,100 रुपये नकद व ट्रॉफी, तथा उपविजेता पोखरपुर टीम को 1,500 रुपये नकद व शील्ड देकर सम्मानित किया। वक्ताओं ने ग्रामीण स्तर पर खेल आयोजनों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इससे युवाओं की प्रतिभा निखरती है और आपसी भाईचारा मजबूत होता है। बड़ी संख्या में स्थानीय खेल प्रेमियों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में यह आयोजन सफलतापूर्ण संपन्न हुआ।

18 जुलाई की विशेष लोक अदालत के लिए प्रचार अभियान तेज, चार प्रचार रथ व जागरूकता वाहन रवाना

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण में आगामी 18 जुलाई को आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए मंगलवार को जिला न्यायालय परिसर से चार प्रचार-प्रसार रथ एवं स्थायी लोक अदालत के एक जागरूकता वाहन को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिषेक कुमार दास ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।प्रचार रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट, 1881 के तहत चेक बाउंस मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण, लोक अदालत के लाभ तथा न्यायालय के बाहर समझौते के माध्यम से समय, धन और श्रम की बचत के प्रति जागरूक करेंगे। इस अवसर पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र प्रसाद, राजविजय सिंह, रमेश रंजन सिंह, अभिषेक आनंद एवं विद्या प्रसाद, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पुनीत कुमार तिवारी, एसीजेएम श्वेता सिंह, एसीजेएम प्रसेनजीत सिंह सहित न्यायिक पदाधिकारी, अधिवक्तागण एवं न्यायालयकर्मी उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी ने कहा कि विशेष लोक अदालत न्याय प्राप्ति का सरल, त्वरित और प्रभावी माध्यम है। चेक बाउंस मामलों में आपसी सहमति से समझौता होने पर विवाद शीघ्र समाप्त हो जाता है तथा अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचा जा सकता है। उन्होंने अधिक से अधिक वादकारियों से विशेष लोक अदालत का लाभ उठाकर अपने मामलों का सौहार्दपूर्ण समाधान कराने की अपील की। जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने चेक बाउंस मामलों से जुड़े सभी वादकारियों से 18 जुलाई को आयोजित विशेष लोक अदालत में उपस्थित होकर आपसी समझौते के आधार पर अपने मामलों का निस्तारण कराने और न्यायालयीन विवादों का स्थायी समाधान प्राप्त करने का आग्रह किया।

हत्या के प्रयास मामले में पति-पत्नी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे दो नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या 231/26, दिनांक 30 अप्रैल 2026 में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में नामजद अभियुक्त तिलक बिन तथा उनकी पत्नी भागी देवी, दोनों निवासी चडरहिया, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण, की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिजुलपुर दलित बस्ती जलजमाव से घिरी, ग्रामीणों ने पानी में उतरकर किया प्रदर्शन

बीएनएम@ तुरकौलिया

प्रखंड की बिजुलपुर पंचायत के वार्ड संख्या-2 स्थित दलित बस्ती में जलजमाव की समस्या ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। बस्ती के चारों ओर जमा गंदे पानी के कारण घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। गलियों में पानी भरे रहने से आवागमन पूरी तरह बाधित है, वहीं मच्छरों और संक्रमण का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थिति यह है कि बच्चों को स्कूल जाने, महिलाओं को रोजमर्रा के काम करने और बुजुर्गों को बाहर निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बस्ती में जल निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। नाला नहीं होने के कारण हल्की बारिश के बाद भी पानी जमा हो जाता है और कई दिनों तक निकल नहीं पाता। ग्रामीणों ने बताया कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी भयावह हो जाती है।

समस्या से परेशान ग्रामीणों ने सोमवार को पानी में खड़े होकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई और जल्द से जल्द नाला निर्माण कराने की मांग की। प्रदर्शन में सुरेन्द्र पासवान, मीना देवी, दुःखी पासवान, शंभू पासवान, गायत्री देवी, पूनम देवी सहित दर्जनों ग्रामीण शामिल थे।

ग्रामीणों ने कहा कि यदि शीघ्र जलनिकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। लोगों ने प्रशासन से अपील की कि दलित बस्ती की इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता के आधार पर देखा जाए और जल्द से जल्द स्थायी समाधान निकाला जाए, ताकि उन्हें जलजमाव से राहत मिल सके।

रामगढ़वा के विद्यालयों में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग पर कार्यशाला, शिक्षकों को दिया व्यवहारिक प्रशिक्षण

बीएनएम@ रामगढ़वा

श्री गणेश महावीर उच्च विद्यालय, रामगढ़वा में मंगलवार को शिक्षा के बदलते स्वरूप को ध्यान में रखते हुए 'प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग' (पीबीएल) विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रखंड के विभिन्न मध्य विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों को नई शिक्षण पद्धति से अवगत कराया गया। कार्यशाला का संचालन प्रखंड तकनीकी टीम के सदस्य मो. फैजुल्लाह, सम्मी कुमार गिरी, सोहराब आलम एवं शिवांगी पांडे ने किया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग विद्यार्थियों में तार्किक सोच, जिज्ञासा, रचनात्मकता और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने में सहायक है। इस पद्धति से रटने की प्रवृत्ति कम होती है और अनुभव आधारित सीखने को बढ़ावा मिलता है। प्रखंड के विभिन्न मध्य विद्यालयों से आए प्रधानाध्यापकों एवं नामित शिक्षकों ने प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी की। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को उपयोगी और प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि इससे कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी एवं रोचक बनाया जा सकेगा। कार्यशाला में दिलीप कुमार कुशवाहा, मो. शाह आलम, राजीव कुमार, राजकुमार प्रसाद, आफरीन कौशर, श्वेता कुमारी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के अंत में सभी प्रतिभागियों ने अपने-अपने विद्यालयों में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग पद्धति को प्रभावी ढंग से लागू करने का संकल्प लिया।

लाखों की एक्सपायर दवा मामले में जांच पूरी, लेकिन कार्रवाई अब तक अधर में! आखिर दोषी कौन और जिम्मेदारी किसकी?

बीएनएम@ पताही

पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) में लाखों रुपये मूल्य की एक्सपायर जीवन रक्षक दवाओं का मामला एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है। बीते 21 फरवरी को बॉर्डर न्यूज मिरर ने इस गंभीर अनियमितता का खुलासा प्रमुखता से किया था। खबर प्रकाशित होते ही स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने तत्काल जांच टीम गठित कर पूरे प्रकरण की जांच कराई। इसके बाद उन्होंने स्वयं भी अस्पताल पहुंचकर रिकॉर्ड और दवा भंडारण व्यवस्था का निरीक्षण किया।

हालांकि, जांच हुए कई महीने बीत चुके हैं, लेकिन आज तक न तो जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है और न ही यह स्पष्ट किया गया है कि इस मामले में कौन दोषी पाया गया और उसके विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई। यही कारण है कि प्रखंड क्षेत्र के लोगों के बीच अब यह सवाल लगातार उठ रहा है कि आखिर जांच का निष्कर्ष क्या निकला और दोषियों पर कार्रवाई कब होगी?

स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में लाखों रुपये की जीवन रक्षक दवाओं का एक्सपायर हो जाना केवल सरकारी धन की बर्बादी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही का उदाहरण है। लोगों का कहना है कि जिन दवाओं पर लाखों रुपये खर्च किए गए, उनसे कई जरूरतमंद मरीजों का इलाज संभव था। ऐसे में यदि जांच में किसी स्तर पर लापरवाही सामने आई है तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मियों पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

मामले की चर्चा इसलिए भी तेज हो गई है क्योंकि हाल ही में अस्पताल में इलाज के दौरान एक वृद्ध मरीज की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया था कि समय पर ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीज की जान नहीं बच सकी। इस घटना के बाद अस्पताल की व्यवस्थाओं पर फिर सवाल उठने लगे और लोगों को एक्सपायर दवा प्रकरण भी याद आने लगा।

बॉर्डर न्यूज मिरर द्वारा उजागर किए गए इस मामले में जांच तो हुई, अधिकारियों ने अस्पताल का निरीक्षण भी किया, लेकिन अब जनता की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आखिर जांच रिपोर्ट में क्या सामने आया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कब होगी।

क्या बोले चिकित्सा प्रभारी- इस संबंध में जब पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ. शंकर बैठा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देशानुसार एक्सपायर दवाओं का विनष्टीकरण (नष्ट करने की प्रक्रिया) करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई से संबंधित निर्णय और जानकारी वरीय पदाधिकारी ही दे सकते हैं।

वहीं, हाल ही में हार्ट अटैक से हुई मरीज की मौत और परिजनों द्वारा लगाए गए ऑक्सीजन की कमी के आरोप पर डॉ. बैठा ने कहा कि "मैनेजमेंट भी एक महत्वपूर्ण व्यवस्था होती है। इसी उद्देश्य से सरकार ने स्वास्थ्य प्रबंधक की नियुक्ति की है। पूरे मामले की जांच की जा रही है और जिसकी भी गलती होगी, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।"

जनता की मांग- प्रखंड क्षेत्र के लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य जैसी संवेदनशील व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं हो सकती। लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि एक्सपायर दवा मामले की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और यदि किसी स्तर पर अनियमितता या लापरवाही सिद्ध हुई है तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध शीघ्र एवं पारदर्शी कार्रवाई की जाए, ताकि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर जनता का विश्वास कायम रह सके।

माहेर ममता निवास के लोकार्पण में भारत-नेपाल की सांस्कृतिक आत्मीयता की झलक

बीएनएम@ रक्सौल

माहेर ममता निवास के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण समारोह में सेवा, संस्कार और मानवीय संवेदनाओं के साथ भारत-नेपाल की साझा सांस्कृतिक विरासत का भी आकर्षक प्रदर्शन देखने को मिला। समारोह में नेपाली परंपरा के अनुरूप अतिथियों का खादा (अंगवस्त्र) एवं ढाका टोपी पहनाकर सम्मान किया गया, जिसने पूरे आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित लायंस क्लब ऑफ बीरगंज मेट्रो सिटी की अध्यक्षा एवं सामाजिक कार्यकर्ता लायन पिया सिंह तथा संयुक्त सचिव लायन प्रसिद्धि आनंद सिंह ने माहेर ममता निवास की संस्थापक निदेशिका सिस्टर लूसी कुरियन, अध्यक्ष डॉ. प्रदीप शर्मा, सचिव डॉ. निकोला पवार, हीराबेगम मुल्ला, अनिरुद्ध गडनकुश, मर्सी मेंडोंका, सिंडिथ क्यूस्टर सहित

अन्य अतिथियों का पारंपरिक नेपाली रीति से सम्मान किया। कार्यक्रम में बताया गया कि नेपाली संस्कृति में खादा श्रद्धा, सम्मान, पवित्रता और सद्भाव का प्रतीक माना जाता है, जबकि ढाका टोपी राष्ट्रीय गौरव और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। पारंपरिक सम्मान के इस दृश्य ने पूरे सभागार को भावुक कर दिया और तालियों की गड़गड़ाहट से वातावरण गूंज उठा। सम्मान से अभिभूत सिस्टर लूसी कुरियन तथा जर्मनी से आए अतिथियों ने लायन पिया सिंह और लायन प्रसिद्धि आनंद सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। बाद में सिस्टर लूसी कुरियन ने भी दोनों पदाधिकारियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। भारत विकास परिषद, शाखा रक्सौल के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी एवं सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल कुमार सर्राफ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नेपाली परंपरा के अनुरूप किया गया यह सम्मान भारत-नेपाल के अटूट सांस्कृतिक संबंधों, आत्मीयता और पारस्परिक सम्मान का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सेवा और मानवता को समर्पित माहेर ममता निवास के लोकार्पण समारोह में यह पल सभी उपस्थित लोगों के लिए अविस्मरणीय बन गया। इस अवसर पर लायंस डिस्ट्रिक्ट 322 ई के पदाधिकारी लायन नारायण रुंगटा, लायन साइमन रेक्स, लायन मोहम्मद निजामुद्दीन एवं लायन अमित कुमार ने भारत-नेपाल के बेटी-रोटी के संबंधों को और अधिक मजबूत होने की शुभकामनाएं दीं। काली सेना की राष्ट्रीय प्रमुख पार्वती तिवारी ने भी समारोह के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इसकी जानकारी भारत विकास परिषद के सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी एवं लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322 ई के जोनल चेयरपर्सन सह डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन बिमल कुमार सर्राफ ने दी।

एलएनडी कॉलेज के बीबीए विभाग में सीनियर्स को भावभीनी विदाई, सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे कॉलेज के बीबीए विभाग में सीनियर्स के सम्मान में आयोजित फेयरवेल समारोह उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक रंगों के बीच मंगलवार को संपन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेन्द्र कुमार, डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. प्रभाकर कुमार, डॉ. रविरंजन सिंह, प्रो. निखिल कुमार एवं प्रो. सत्यम वत्स ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। फेयरवेल का आयोजन बीबीए चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेन्द्र कुमार ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी छात्र-छात्राएं जीवन में उच्च पद प्राप्त करें तथा अपने महाविद्यालय से जुड़े रहकर उसके विकास में भी योगदान दें। मीडिया प्रभारी -सह- बीबीए समन्वयक डॉ. प्रभाकर कुमार ने कहा कि फेयरवेल केवल विदाई का कार्यक्रम नहीं, बल्कि सीनियर्स और जूनियर्स के बीच अनुभव, ज्ञान और प्रेरणा के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विभाग में हो रहे आधारभूत संरचनात्मक विकास की भी जानकारी दी। समारोह को इतिहास

विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार, बीसीए समन्वयक डॉ. दीपक कुमार, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रविरंजन सिंह, बॉटनी विभागाध्यक्ष प्रो. अरविंद कुमार, भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश रंजन कुमार, मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कुमारी मनीषा, डॉ. कविता कुमारी, डॉ. अनीता कुमारी, डॉ. ज्योत्सना एवं प्रशाखा पदाधिकारी राजीव कुमार ने भी संबोधित किया और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने गीत, संगीत, नृत्य और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। समारोह के सफल आयोजन में बीबीए विभाग के प्राध्यापक प्रो. निखिल कुमार, प्रो. आशीष कुमार, प्रो. श्वेता जोशी, प्रो. सत्यम वत्स, राजन कुमार सिंह, राहुल कुमार, विशाल कुमार सहित स्तुति, साक्षी, पल्लवी, ईशा, किट्टू, ऋषु, सोनाली, कृतिका, मुस्कान, सानवी, करण, नेहा, प्रिया और नंदनी की सराहनीय भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

सूफी संतों की शिक्षाएं ही समाज का आधारः उपमुख्यमंत्री

विजय चौधरी ने किछौछा शरीफ में अर्पित की चादर

बीएनएम@ समस्तीपुरः बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी ने उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर स्थित विश्वविख्यात सूफी दरगाह किछौछा शरीफ में हजरत सुल्तान मखदूम अशरफ जहांगीर सिमनानी (रह.) के सालाना उर्स-ए-मुबारक के अवसर पर अकीदत की चादर भेजी। दरगाह पर चादर पेश कर देश, प्रदेश और समाज में अमन, भाईचारा, खुशहाली तथा तरक्की के लिए विशेष दुआ की गई।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने सूफी संतों की शिक्षाओं को समाज के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि सूफी परंपरा ने सदियों से गंगा-जमुनी तहजीब को मजबूती प्रदान की है। उन्होंने कहा कि हजरत मखदूम अशरफ जहांगीर सिमनानी जैसे संतों का जीवन प्रेम, करुणा और मानवता का संदेश देता है, जो आज के समय में सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता के लिए अत्यंत आवश्यक है।ईरान के सिमनान से भारत आकर किछौछा शरीफ को अपनी कर्मभूमि बनाने वाले हजरत मखदूम साहब ने 'अशरफिया' सिलसिले के माध्यम से जन-जन को आध्यात्मिक साधना का मार्ग दिखाया। यह दरगाह आज करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। इस अवसर पर बिहार अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष मौलाना उमर नूरानी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री द्वारा भेजी गई यह चादर सांप्रदायिक सौहार्द और सूफी परंपरा के प्रति गहरे सम्मान का प्रतीक मानी जा रही है।

अमरपुर में युवक की संदिग्ध मौत, घर की छत से लटका मिला शव

बीएनएम@ बांकाः बांका जिले के अमरपुर प्रखंड अंतर्गत नंदलालपट्टी गांव में सोमवार रात 35 वर्षीय अजीत कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। अजीत का शव घर की छत से रस्सी के फंदे से लटका हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई।परिजनों के अनुसार, रविवार रात अजीत का अपनी पत्नी से विवाद हुआ था, जिसके बाद वह सोमवार सुबह बच्चों को लेकर मायके चली गई थी। सोमवार देर शाम जब अजीत के माता-पिता कोर्ट से घर लौटे, तो उन्होंने शव देखा। पेशे से ट्रैक्टर चालक अजीत के मिलनसार स्वभाव के कारण ग्रामीण स्तब्ध हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मामला संदिग्ध है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा होगा। मामले की सघन जांच जारी है।

विद्यालय में सोते पकड़े गए प्रधानाध्यापक

शिक्षा विभाग ने दिए जांच के आदेश

बीएनएम@ समस्तीपुरः पटोरी प्रखंड की रूपौली पंचायत स्थित राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय, सरहद माधो के प्रधानाध्यापक मो. साजिद का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में प्रधानाध्यापक को विद्यालय समय के दौरान बेंच पर पैर रखकर गहरी नींद में सोते हुए देखा जा सकता है, जिसने विद्यालय की कार्यशैली और अनुशासन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटना के बाद स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों में काफी आक्रोश है और वे मामले की निष्पक्ष जांच एवं सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।मामले की गंभीरता को देखते हुए बीपीआरओ सह प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नीतीश कुमार ने तुरंत संज्ञान लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वायरल वीडियो की सत्यता की जांच कराई जाएगी और यदि प्रधानाध्यापक की लापरवाही प्रमाणित होती है, तो उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकारी विद्यालयों में कर्तव्यहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फिलहाल जांच प्रक्रिया जारी है और रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

रोहन इलेवन प्रयागराज बना चैंपियन

फाइनल में मुजफ्फरपुर को 57 रनों से दी मात

बीएनएम@ समस्तीपुरः पटोरी स्थित जननायक कर्पूरी ठाकुर स्टेडियम में आयोजित 'सुरेश शर्मा मेमोरियल अंतरराज्यीय क्रिकेट टूर्नामेंट' का फाइनल मुकाबला रोहन इलेवन प्रयागराज की जीत के साथ संपन्न हुआ। खिताबी भिड़ंत में प्रयागराज ने अवनीश इलेवन मुजफ्फरपुर को 57 रनों से पराजित कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रयागराज ने 193 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में मुजफ्फरपुर की टीम 136 रनों पर ही सिमट गई।समापन समारोह में विधायक रणविजय साहू समेत अन्य गणमान्य अतिथियों ने विजेता टीम को पुरस्कृत किया। विधायक ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का बेहतरीन मंच प्रदान करते हैं। टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए मोहित स्टार्क को 'मैन ऑफ द सीरीज' चुना गया। आयोजन समिति के डॉ. अरशद इमाम, प्रो. मनोज बरनवाल व अन्य सदस्यों के कुशल प्रबंधन में संपन्न इस भव्य टूर्नामेंट ने खेल प्रेमियों का भरपूर मनोरंजन किया।

बंटी हत्याकांड: कर्तव्यहीनता पर पटना पुलिस सख्त, चार पुलिसकर्मी निलंबित

बीएनएम@ पटना

राजधानी के चर्चित बंटी हत्याकांड मामले में पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए चार पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। केंद्रीय पटना की पुलिस अधीक्षक (एसपी) ममता कल्याणी द्वारा की गई यह कार्रवाई विभागीय जांच की प्रारंभिक रिपोर्ट पर आधारित है। जांच में खुलासा हुआ कि 6 जुलाई की रात जब 33 वर्षीय कारोबारी

सुरक्षा चूक पर जागा पुलिस प्रशासन, विभागीय जांच के आदेश

» घटनास्थल से 100 मीटर दूर तैनात थे जवान, फिर भी हुआ अपहरण

बंटी कुमार का अपहरण हुआ, तब ये चारों कर्मी घटनास्थल से मात्र 100 मीटर की दूरी पर तैनात थे। बावजूद इसके, वारदात के समय उनके द्वारा कोई प्रभावी हस्तक्षेप नहीं किया गया, जिसे विभाग ने गंभीर लापरवाही माना है।निलंबित कर्मियों में

एएसआई प्रवीण कुमार पंकज, एएसआई अवधेश कुमार, एएसआई वीर बहादुर सिंह और गृह रक्षक सुदर्शन प्रसाद शामिल हैं। विभागीय आदेश के अनुसार, निलंबन अवधि के दौरान इन सभी का मुख्यालय नवीन आरक्षी पुलिस केंद्र, पटना निर्धारित किया गया है और इन्हें तीन दिनों के भीतर अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना होगा।गौरतलब है कि पटना जंक्शन क्षेत्र से अपहृत कारोबारी का शव करीब पांच दिन बाद अथमलगोला क्षेत्र से बरामद हुआ था। अपराधियों ने पहचान मिटाने के लिए शव के साथ छेड़छाड़ की थी, जिससे घटना अत्यंत वीभत्स हो गई। इस मामले ने पूरे बिहार में सनसनी फैला दी है। जांच का मुख्य केंद्र अब यह है कि डायल-112 और गश्ती दल की मौजूदगी के बावजूद अपहरणकर्ता वारदात को अंजाम देने में कैसे सफल रहे। फिलहाल विभागीय जांच जारी है और रिपोर्ट के आधार पर भविष्य में और भी सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।

लंबित परीक्षाओं का आयोजन करने और परिणाम प्रकाशित करने की मांग को लेकर गुस्से का इजहार

पटना में बीएसएससी कार्यालय का घेराव, अभ्यर्थियों ने मेन गेट पर जड़ा ताला

बीएनएम@ पटना

» आयोग द्वारा परीक्षाएं लंबित रखी गई हैं, जिससे हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में है
» स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा

लंबित परीक्षाओं का आयोजन कराने, परिणाम प्रकाशित करने तथा संविदा कर्मियों की स्थायी बहाली की मांग को लेकर सोमवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने पटना में जोरदार प्रदर्शन किया। बिहार कर्मचारी चयन आयोग कार्यालय का घेराव किया।प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने बीएसएससी दफ्तर के मुख्य प्रवेश द्वार पर ताला जड़ दिया और सरकार व आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस क्रम में मेन गेट में ताला बंद कर विरोध जताया और मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थियों ने इंटरमीडिएट, बीएसएससी सीजीएल-4 तथा बीएसओ सहित विभिन्न लंबित परीक्षाओं को जल्द कराने और रुके हुए परिणामों को अविलंब जारी करने की मांग उठाई। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता सौरव ने कहा कि लंबे समय से आयोग द्वारा परीक्षाएं लंबित रखी गई हैं, जिससे हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक परीक्षाओं की तिथि घोषित कर परिणाम प्रकाशित नहीं किए जाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।अभ्यर्थी आयोग के मुख्य द्वार पर जमा होकर कर्मचारी चयन आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शन के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा। एयरपोर्ट थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। हालांकि पुलिस को किसी प्रकार के बल प्रयोग की जरूरत नहीं पड़ी। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि आयोग की लापरवाही के कारण छात्रों के भविष्य पर ताला लग गया है। इसलिए उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से आयोग कार्यालय में तालाबंदी कर विरोध दर्ज कराया। सैकड़ों की संख्या में जुटे छात्रों ने सरकार और आयोग से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की।

समय पर नहीं मिल रहा निधि का पैसा: अनंत सिंह

छोटू सिंह के समर्थन में उतरे विधायक अनंत सिंह

बीएनएम@ पटना

मोकामा के विधायक अनंत सिंह ने बिहार सरकार की वित्तीय प्रबंधन प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने दावा किया कि विधायक निधि की राशि समय पर आवंटित न होने के कारण उनके विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की गति धीमी हो गई है और इससे ठेकेदारों को भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि जनप्रतिनिधियों को समय से फंड नहीं मिलेगा, तो वे अपने क्षेत्रों में प्रस्तावित विकास परियोजनाओं को धरातल पर कैसे उतार पाएंगे। वहीं, दूसरी ओर राज्य सरकार ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि प्रदेश के खजाने में विकास योजनाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं है। सरकार का कहना है कि बजट का आवंटन एक नियमित प्रक्रिया है और कर्ज लेना सामान्य वित्तीय प्रबंधन का हिस्सा है, जिसे आर्थिक संकट से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।इसके अतिरिक्त, अनंत सिंह ने जनता दल (यूनाइटेड) से निष्कासित अरविंद कुमार सिंह उर्फ छोटू सिंह के समर्थन में भी आवाज उठाई। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से निष्कासन के निर्णय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। अनंत सिंह ने कहा कि हालांकि अनुशासन राजनीतिक दल की नींव है, लेकिन किसी कार्यकर्ता से पहली बार हुई चूक के लिए सीधे निष्कासन जैसी कठोर कार्रवाई उचित नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि संगठन को पहली भूल पर सुधार का अवसर या चेतावनी देनी चाहिए, क्योंकि यह कार्यकर्ता और पार्टी दोनों के भविष्य के लिए अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण होगा।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से किशोर की मौत, मचा कोहराम

हादसे के बाद फरार हुआ चालक, परिजनों ने न्याय की गुहार लगाई

बीएनएम@ गयाजी

जिले के कोठी थाना क्षेत्र अंतर्गत मौलागंज गांव में मंगलवार अहले सुबह अवैध बालू ढुलाई के दौरान एक दर्दनाक हादसे में 17 वर्षीय किशोर रंजीत कुमार चौधरी की मौत हो गई। मृतक रंजीत, पाहन चौधरी और राजमनिया देवी का पुत्र था और छह भाई-बहनों में अकेला था। इस दुखद घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।परिजनों और स्थानीय लोगों ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि अवैध बालू ढुलाई में संलिप्त ट्रैक्टर (जिसका मालिक कथित तौर पर गुलरियाडीह निवासी लड्डन खान बताया जा रहा है) ने किशोर को कुचल दिया। हादसे के बाद चालक और ट्रैक्टर मालिक वाहन लेकर मौके से फरार हो गए, जबकि घायल रंजीत को घटनास्थल पर ही छोड़ दिया। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि दुर्घटना के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से जेसीबी का उपयोग कर सड़क साफ की गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया।ग्रामीणों का आक्रोश इस बात पर अधिक है कि इलाके में लंबे समय से अवैध बालू खनन का काला कारोबार बेखौफ चल रहा है, जिस पर प्रशासन की सख्ती नदारद है। उन्होंने मांग की है कि इस अवैध कारोबार पर तत्काल रोक लगे, दोषियों की गिरफ्तारी हो और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा मिले। वहीं, कोठी थाना अध्यक्ष ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस सभी पहलुओं, विशेषकर ट्रैक्टर चालक की भूमिका और अवैध ढुलाई के आरोपों की गहन जांच कर रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जन-जन तक पहुंचाएं एनडीए की उपलब्धियां: नितीश कुमार

बीएनएम@ पटना

जद(यू) मुख्यालय में दिए बांकीपुर उपचुनाव के लिए जित का मन्त्र

जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को पटना स्थित जद(यू) प्रदेश मुख्यालय का औचक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यालय परिसर की व्यवस्थाओं और चल रही संगठनात्मक गतिविधियों का विस्तृत निरीक्षण किया। प्रदेश मुख्यालय पहुंचने पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य और गर्मजोशी भरा स्वागत किया। नीतीश कुमार ने इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीय संवाद किया और संगठन की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली।दौरे के क्रम में, उन्होंने पार्टी कार्यालय में संचालित जनसुनवाई कार्यक्रम का भी अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे जनता के प्रति सदैव संवेदनशील और सक्रिय रहें।बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर नीतीश कुमार ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए पूरी ताकत के साथ चुनावी मैदान में उतरने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह घर-घर जाकर एनडीए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को मतदाताओं के समक्ष रखे। उन्होंने बूथ स्तर पर संगठन को अभेद्य बनाने, मतदाताओं से निरंतर संपर्क स्थापित करने और पूरे अनुशासन के साथ सकारात्मक प्रचार करने पर जोर दिया।नीतीश कुमार ने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया कि कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और जनता के अपार समर्थन से एनडीए प्रत्याशी बांकीपुर उपचुनाव में शानदार जीत दर्ज करेंगे। इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार, ललन कुमार सर्राफ, संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में समर्पित कार्यकर्ता मौजूद थे।

पिक एंड चूज़' नीति बंद करें अधिकारीः दिलीप जायसवाल

» अधिकारियों को दिया गया एक माह का अल्टीमेटम

पटना के 26 अंचलों की रैंकिंग पर मंत्री ने जताया असंतोष

बीएनएम@ पटना

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने पटना जिले के राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों की कार्यशैली पर कड़ा असंतोष व्यक्त किया है। शास्त्रीनगर स्थित राजस्व (सर्वे) प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित इस बैठक में मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मामलों के निष्पादन में किसी भी प्रकार की 'पिक एंड चूज़' नीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी निर्णय पूरी तरह से मेरिट और नियमों के आधार पर होने चाहिए, न कि किसी बाहरी दबाव या पैरवी के प्रभाव में।मंत्री ने पटना जिले के सभी 26 अंचलों की वर्तमान रैंकिंग को असंतोषजनक बताते हुए अधिकारियों को एक महीने का समय दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगली समीक्षा बैठक तक यदि अंचलों की रैंकिंग में अपेक्षित सुधार नहीं दिखा, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। डॉ. जायसवाल ने विशेष रूप से लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर बल दिया और कहा कि आम जनता को सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ने चाहिए। उन्होंने 'अभियान बसेरा-2' के लक्ष्यों को हर हाल में समयबद्ध तरीके से पूरा करने का आदेश दिया।इस अवसर पर विभाग के सचिव जय सिंह और सचिव सीमा त्रिपाठी ने भी समयबद्ध सेवा वितरण और डेटा की गुणवत्ता सुधारने पर जोर दिया। बैठक में दाखिल-खारिज, परिमार्जन प्लस, ई-मापी, सरकारी भूमि की पहचान और राजस्व महाअभियान जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। इस उच्च स्तरीय बैठक में भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशक सुहर्ष भगत सहित विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गढ़ी महंत रामेश्वर दास कॉलेज में एनएसएस-एनसीसी भर्ती प्रक्रिया शुरू

बीएनएम@ समस्तीपुर

गढ़ी महंत रामेश्वर दास कॉलेज, मोहनपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर में नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. विधान चन्द्र भारती ने सभी इच्छुक छात्र-छात्राओं को समय सीमा के भीतर आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया है। उन्होंने बताया कि ये इकाइयाँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाती हैं।NSS कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. लक्ष्मण यादव और एनसीसी पदाधिकारी डॉ. सूर्य प्रताप ने जानकारी दी कि ये मंच छात्रों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, देशभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन इकाइयों से जुड़कर विद्यार्थी स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय एकता जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक कार्यों में योगदान दे सकते हैं। महाविद्यालय प्रशासन का मानना है कि यह विद्यार्थियों के लिए अपने सेवा भाव को निखारने और व्यक्तित्व को नई दिशा देने का एक स्वर्णिम अवसर है।

मगध विश्वविद्यालय में संबद्ध डिग्री कॉलेज कर्मियों का शांतिपूर्ण प्रदर्शन

वेतन और पेंशन के लिए हल्ला बोल

बीएनएम@ गयाजी

बिहार प्रदेश संबद्ध डिग्री कॉलेज शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ (फैक्टनेब) के बैनर तले सैकड़ों शिक्षकों और कर्मचारियों ने मगध विश्वविद्यालय मुख्यालय पर अपनी वर्षों से लंबित मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फैक्टनेब की मगध इकाई के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार मिट्ठू ने की। वक्ताओं ने बताया कि राज्य के लगभग 65 प्रतिशत छात्रों को शिक्षित करने वाले संबद्ध कॉलेजों के कर्मी पिछले 40 वर्षों से नियमित वेतनमान और पेंशन की बाट जोह रहे हैं।प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि 2025 विधानसभा चुनाव से पहले सरकार ने अंगीभूत कॉलेजों की तर्ज पर सुविधा देने का वादा किया था और एक कमिटी भी गठित की थी, लेकिन महीनों बाद भी उस कमिटी की बैठक नहीं हुई है। इसके अतिरिक्त, आठ सत्रों का अनुदान बकाया होने से कर्मियों के समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। साथ ही, परीक्षा मूल्यांकन कार्य के पारिश्रमिक में कटौती और विश्वविद्यालय स्तर पर सीनेट-सिंडिकेट के लंबित चुनावों जैसी प्रशासनिक समस्याओं को भी उठाया गया।महासंघ ने इन समस्याओं के समाधान के लिए सात सूत्री ज्ञापन मगध विश्वविद्यालय के कुलपति के माध्यम से बिहार के महामहिम राज्यपाल को सौंपा है। चरणबद्ध आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए, संघ ने 22 जुलाई 2026 को गया शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के विधान पार्षद जीवन कुमार के आवास का घेराव करने का निर्णय लिया है। वे मांग करेंगे कि पार्षद आगामी विधानमंडल सत्र में इन कर्मियों की मांगों को प्रमुखता से उठाएं और सदन में इसके लिए दबाव बनाएं। प्रदर्शन में प्रदेश भर के अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी नेता उपस्थित रहे।

फल्गु नदी में अज्ञात शव मिलने से फैली दहशत,जांच में जुटी पुलिस

बीएनएम@ गयाजी

» मौत की गुत्थी सुलझाने में जुटी मुफस्सिल पुलिस
» पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के इंतजार में

मानपुर को जोड़ने वाले सिक्स लेन पुल के नीचे फल्गु नदी में मंगलवार की सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिलने से स्थानीय लोगों के बीच हड़कंप मच गया। सुबह सैर पर निकले राहगीरों ने जब नदी में शव देखा, तो तुरंत इसकी सूचना मुफस्सिल थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। शव पुल के पिलर संख्या 7 और 8 के बीच पाया गया। प्रारंभिक जांच में शव ताजा प्रतीत हो रहा है, लेकिन मौत के सटीक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।मुफस्सिल थाना अध्यक्ष देवराज इंद्र ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में सुरक्षित रखवा दिया गया है। पुलिस फिलहाल मृतक की पहचान सुनिश्चित करने की हर संभव कोशिश कर रही है। इसके लिए आसपास के थानों से गुमशुदगी के मामलों का मिलान किया जा रहा है और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।घटना को लेकर क्षेत्र में विभिन्न आशंकाएं जताई जा रही हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि यह हत्या का मामला है या किसी दुर्घटना का परिणाम। पुलिस वैज्ञानिक साक्ष्यों को जुटाने के साथ-साथ हर संभावित पहलू से मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। यदि जल्द ही मृतक की पहचान नहीं हो पाती है, तो पुलिस नियमानुसार शव की तस्वीरें जारी कर परिजनों तक पहुंचने का प्रयास करेगी। इस दुखद घटना के बाद से पूरे इलाके में चर्चाओं का बाजार गर्म है और लोग मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

देवशयनी एकादशी से 4 माह तक सोते रहेंगे देवी-देवता

इस साल 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी है, उस दिन से चातुर्मास शुरू होगा. चातुर्मास में भगवान विष्णु योग निद्रा में होते हैं, यह देवी और देवताओं के शयन का समय होता है, ऐसे में शुभ कार्य नहीं करते हैं तो क्या व्रत और पूजा पर भी रोक रहेगी?

चातुर्मास में व्रत और पूजा होगी या नहीं ?

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवशयनी एकादशी होती है. इस दिन से चातुर्मास का प्रारंभ होता है और इस सृष्टि के पालनकर्ता भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं. हिंदू कैलेंडर के अनुसार आषाढ़ शुक्ल एकादशी से लेकर कार्तिक शुक्ल एकादशी तक के चार माह देवी और देवताओं का शयन काल होता है. इस वजह से इसमें कोई शुभ कार्य नहीं करते हैं. शादी, मुंडन, गृह प्रवेश, भवन निर्माण, नया काम आदि नहीं करते हैं. सवाल यह है कि देवशयनी एकादशी से देवी और देवता योग निद्रा में चले जाएंगे तो क्या व्रत, पूजा, उपवास, मंत्र जाप आदि नहीं किए जाएंगे?

देवशयनी एकादशी से व्रत, पूजा आदि पर रोक नहीं? देवशयनी एकादशी के अवसर पर जब भगवान विष्णु योग निद्रा में जाते हैं, तो उस दिन भी लोग व्रत रखकर श्रीहरि की पूजा करते हैं, मंत्र जाप, आरती, रात्रि जागरण आदि किया जाता है. देवशयनी एकादशी से शुरू होने वाले चातुर्मास में व्रत, पूजा, स्नान, दान, उपवास, त्योहार आदि पर कोई रोक नहीं होती है. चातुर्मास का प्रारंभ देवशयनी एकादशी से होता है, जो आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को होती है. देवशयनी एकादशी को चातुर्मास का पहला दिन होता है. चातुर्मास में कोई भी मांगलिक कार्य नहीं होते हैं, इस वजह से 4 महीने तक विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, मुंडन आदि जैसे कार्य नहीं करते हैं. चातुर्मास का समापन देवउठनी एकादशी को होता है, उसके बाद से मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाते हैं. आइए जानते हैं कि चातुर्मास कब से शुरू है?

चातुर्मास 2026 का प्रारंभ वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल एकादशी तिथि का प्रारंभ 24 जुलाई दिन शुक्रवार को सुबह 09:12 ए एम से होगा. यह तिथि 25 जुलाई दिन शनिवार को 11:34 ए एम तक तक रहेगी. ऐसे में उदयातिथि के आधार पर देवशयनी एकादशी 25 जुलाई को है, इसलिए चातुर्मास का प्रारंभ 25 जुलाई से होगा.

जब नौकरशाही खुद कटघरे में खड़ी हो जाए

- डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा की प्रशासनिक व्यवस्था इन दिनों ऐसे दौर से गुजर रही है जिसने भारतीय नौकरशाही की विश्वसनीयता, पारदर्शिता और आंतरिक एकजुटता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। सामान्यतः भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों को शासन व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे राजनीतिक परिवर्तन के बावजूद प्रशासनिक निष्पक्षता, संवैधानिक मूल्यों और जनहित को सर्वोपरि रखें। किंतु जब स्वयं उसी सेवा के अधिकारी एक-दूसरे पर आरोप लगाने लगें, जांच एजेंसियों के समक्ष एक-दूसरे की भूमिका पर प्रश्न उठाने लगें और प्रशासनिक तंत्र के भीतर अविश्वास का वातावरण बन जाए तब यह केवल कुछ व्यक्तियों का मामला नहीं रह जाता बल्कि पूरी शासन व्यवस्था की साख पर प्रभाव डालता है।हाल के घटनाक्रम में हरियाणा के कई आईएएस अधिकारियों की गिरफ्तारी, अन्य अधिकारियों के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति तथा आपसी आरोप-प्रत्यारोप ने यही संकेत दिया है कि मामला व्यक्तिगत दायित्व से आगे बढ़कर संस्थागत संकट का रूप ले रहा है।

बताया गया है कि बैंकिंग और सरकारी धन से जुड़े बड़े वित्तीय अनियमितता प्रकरण में कई वरिष्ठ अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई हुई है। कुछ अधिकारी गिरफ्तार हुए, जबकि अन्य के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत अभियोजन की स्वीकृति दी गई। सबसे अधिक चर्चा इस बात की रही कि इस बार प्रशासनिक सेवा के भीतर वह परंपरागत एकजुटता दिखाई नहीं दी, जिसकी अपेक्षा अक्सर ऐसे मामलों में की जाती रही है। इसके विपरीत विभिन्न अधिकारियों द्वारा अपने बचाव में दूसरे अधिकारियों की भूमिका पर प्रश्न उठाए गए, फाइल नोटिंग, मौखिक निर्देश और निर्णय प्रक्रिया को लेकर नए विवाद सामने आए। इससे यह धारणा बनी कि प्रशासनिक सेवा के भीतर विश्वास का ताना-बाना कमजोर हो रहा है।

यह स्थिति केवल हरियाणा तक सीमित नहीं मानी जानी चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों में नौकरशाही और राजनीति के संबंधों, प्रशासनिक जवाबदेही, जांच एजेंसियों की भूमिका तथा निर्णय प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर लगातार बहस होती रही है। किंतु हरियाणा का मामला इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां विवाद केवल सरकार और अधिकारियों के बीच नहीं बल्कि अधिकारियों के बीच ही खुलकर सामने आया है। इससे प्रशासनिक सेवा की उस सामूहिक छवि को आघात पहुंचा है जो निष्पक्षता, गोपनीयता और संस्थागत अनुशासन पर आधारित मानी जाती है।लोकतांत्रिक शासन में किसी भी अधिकारी का कानून से ऊपर होना स्वीकार्य नहीं है। यदि किसी अधिकारी ने भ्रष्टाचार किया है, सरकारी धन के दुरुपयोग में भूमिका निभाई है अथवा अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया है तो उसके विरुद्ध निष्पक्ष जांच और विधि सम्मत कार्रवाई अनिवार्य है। लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि जांच प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और राजनीतिक प्रभाव से मुक्त दिखाई दे। केवल न्याय होना पर्याप्त नहीं, न्याय होते हुए दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है। इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि अधिकारियों के बीच असहजता दिखाई दी कि राज्य की जांच एजेंसी द्वारा कार्रवाई के बाद मामला केंद्रीय जांच एजेंसी तक कैसे पहुंचा। कुछ अधिकारियों ने इस निर्णय पर भी प्रश्न उठाए हैं। हालांकि किसी भी मामले की जांच किस एजेंसी द्वारा होगी, यह संबंधित परिस्थितियों और कानूनी प्रक्रिया पर निर्भर करता है लेकिन ऐसी स्थितियां प्रशासनिक मनोबल को प्रभावित करती हैं और सेवा के भीतर असुरक्षा की भावना पैदा कर सकती हैं। प्रशासनिक सेवा का मूल आधार केवल अधिकार नहीं बल्कि उत्तरदायित्व है। प्रत्येक फाइल, प्रत्येक वित्तीय स्वीकृति और प्रत्येक प्रशासनिक निर्णय सामूहिक प्रक्रिया का हिस्सा होता है। इसलिए यदि किसी स्तर पर अनियमितता हुई है तो केवल अंतिम हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी को दोषी मान लेना भी उचित नहीं होगा और केवल यह कहकर जिम्मेदारी से बच निकलना भी उचित नहीं कि निर्णय सामूहिक था। जांच का उद्देश्य व्यक्तिगत दायित्व निर्धारित करना होना चाहिए, न कि केवल कुछ नामों को चिन्हित कर देना। यह भी विचारणीय है कि क्या हमारी प्रशासनिक प्रणाली में निर्णय लेने की प्रक्रिया पर्याप्त रूप से प्रलेखित होती है। आज भी अनेक महत्वपूर्ण निर्णय मौखिक निर्देशों, अनौपचारिक बैठकों और फोन पर हुई चर्चाओं के आधार पर आगे बढ़ जाते हैं। जब तक सब कुछ सामान्य चलता है, तब तक यह व्यवस्था सुविधाजनक लगती है लेकिन जैसे ही कोई विवाद सामने आता है, वही मौखिक निर्देश सबसे बड़ा विवाद बन जाते हैं। इसलिए शासन व्यवस्था में प्रत्येक महत्वपूर्ण निर्णय का लिखित रिकॉर्ड, डिजिटल ट्रैकिंग और स्पष्ट उत्तरदायित्व तय होना चाहिए।इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष नौकरशाही के मनोबल से जुड़ा है। ईमानदार अधिकारियों के मन में यह आशंका पैदा हो सकती है कि यदि भविष्य में किसी सामूहिक निर्णय पर विवाद हुआ तो कहीं उन्हें भी बिना पर्याप्त सुरक्षा के कठघरे में न खड़ा कर दिया जाए। दूसरी ओर यदि भ्रष्टाचार के मामलों में कठोर कार्रवाई नहीं होगी तो जनता का विश्वास समाप्त होगा। इसलिए संतुलन अत्यंत आवश्यक है। ईमानदार अधिकारियों को संस्थागत सुरक्षा और भ्रष्ट अधिकारियों को कठोर दंड- दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। हरियाणा का यह प्रकरण प्रशासनिक सुधारों की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है। भारत में लंबे समय से सिविल सेवा सुधारों पर चर्चा होती रही है। फाइलों का पूर्ण डिजिटलीकरण, निर्णय प्रक्रिया की पारदर्शिता, समयबद्ध ऑडिट, स्वतंत्र सतर्कता तंत्र तथा उत्तरदायित्व आधारित प्रशासन आज की आवश्यकता हैं। यदि प्रत्येक वित्तीय निर्णय का डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध होगा तो बाद में जिम्मेदारी तय करना अपेक्षाकृत सरल होगा और अनावश्यक विवाद भी कम होंगे। यह भी आवश्यक है कि राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही के संबंध स्पष्ट संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर रहें। लोकतंत्र में नीति निर्माण निर्वाचित सरकार का अधिकार है, जबकि उसका निष्पक्ष क्रियान्वयन प्रशासनिक सेवा की जिम्मेदारी है। यदि दोनों के बीच संतुलन बिगड़ता है तो प्रशासनिक निष्पक्षता प्रभावित होती है। इसलिए संस्थागत स्वतंत्रता और जवाबदेही दोनों का समान महत्व है। इस पूरे प्रकरण से एक सामाजिक संदेश भी निकलता है।

आम नागरिक अक्सर यह मानता है कि उच्च पदों पर बैठे लोग कानून से ऊपर होते हैं। यदि किसी भी स्तर पर निष्पक्ष जांच होती है और दोष सिद्ध होने पर कार्रवाई होती है तो इससे कानून के शासन की भावना मजबूत होती है। लेकिन यदि जांच चयनात्मक दिखाई देती है या राजनीतिक प्रभाव का संदेह उत्पन्न होता है तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ता है। इसलिए जांच एजेंसियों की निष्पक्षता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। भारतीय प्रशासनिक सेवा जैसी प्रतिष्ठित संस्था ने दशकों तक देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आपदा प्रबंधन, विकास योजनाओं के क्रियान्वयन, चुनाव संचालन, कानून-व्यवस्था और जनकल्याणकारी योजनाओं में आईएएस अधिकारियों की भूमिका निर्विवाद रही है। कुछ मामलों के आधार पर पूरी सेवा की छवि पर प्रश्न उठाना उचित नहीं होगा। किंतु यह भी सत्य है कि कुछ गंभीर प्रकरण पूरी संस्था की प्रतिष्ठा को प्रभावित कर देते हैं। इसलिए आत्ममंथन की आवश्यकता स्वयं प्रशासनिक सेवा को भी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हरियाणा का यह विवाद केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित न रहे बल्कि इससे प्रशासनिक सुधारों की दिशा में ठोस पहल हो। निर्णय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया जाए, डिजिटल उत्तरदायित्व प्रणाली विकसित की जाए, भ्रष्टाचार के मामलों में त्वरित और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए तथा ईमानदार अधिकारियों को संस्थागत संरक्षण दिया जाए। इससे जनता का विश्वास भी बढ़ेगा और प्रशासनिक सेवा का मनोबल भी मजबूत होगा।अंततः किसी भी लोकतंत्र की सफलता केवल राजनीतिक नेतृत्व पर निर्भर नहीं करती बल्कि उसकी प्रशासनिक व्यवस्था की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर भी आधारित होती है। यदि नौकरशाही के भीतर ही अविश्वास, आरोप-प्रत्यारोप और संस्थागत अस्थिरता बढ़ने लगे तो उसका सीधा प्रभाव शासन की गुणवत्ता पर पड़ता है। हरियाणा की हालिया घटनाएं एक चेतावनी हैं कि प्रशासनिक संस्थाओं की साख बनाए रखने के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और विधि का समान शासन ही सबसे प्रभावी उपाय है। दोषी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए; वहीं निर्दोष अधिकारी को भयमुक्त वातावरण और न्यायपूर्ण प्रक्रिया का भरोसा भी मिलना चाहिए। यही संतुलन लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी शक्ति है और यही प्रशासनिक व्यवस्था की वास्तविक विश्वसनीयता का आधार भी। (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

छत पर भूलकर भी न रखें जंग लगा लोहा, वास्तु और ज्योतिष में माना गया अशुभ, बढ़ सकती हैं आर्थिक परेशानियां

वास्तु और ज्योतिष

घर की साफ-सफाई केवल स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि वास्तु और ज्योतिष की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। ज्योतिष शास्त्र में मान्यता है कि घर का हर हिस्सा किसी न किसी तत्व और ग्रह की ऊर्जा से जुड़ा होता है। इनमें घर की छत को विशेष महत्व दिया गया है, क्योंकि इसे आकाश तत्व का प्रतिनिधि माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि छत के माध्यम से ही सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश करती है। इसलिए छत पर रखी वस्तुओं का प्रभाव पूरे घर के वातावरण पर पड़ सकता है।

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार छत पर लंबे समय तक जंग लगा लोहा, टूटा-फूटा फर्नीचर, कबाड़, बेकार मशीनें या अनुपयोगी सामान जमा करके नहीं रखना चाहिए। मान्यता है कि ऐसी वस्तुएं राहु, केतु और शनि से जुड़ी नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती हैं। इसके कारण आर्थिक रुकावटें, अनावश्यक खर्च, मानसिक तनाव और परिवार के सदस्यों के बीच मतभेद जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। हालांकि यह धार्मिक और पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित दृष्टिकोण है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार छत का संबंध आकाश तत्व से होने के कारण यहां खुलापन और स्वच्छता बनाए रखना शुभ माना जाता है। यदि छत पर बेकार सामान का ढेर लगा रहता है तो सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बाधित होने की मान्यता है। यही कारण है कि समय-समय पर छत की सफाई करने और अनुपयोगी वस्तुओं को हटाने की सलाह दी जाती है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार यदि किसी कारणवश लोहे का सामान रखना आवश्यक हो तो उसे साफ-सुथरा और उपयोग की स्थिति में रखें। जंग लगे या टूटे हुए लोहे के सामान को जल्द से जल्द हटाना बेहतर माना जाता है। साथ ही छत पर कूड़ा-कचरा, टूटे गमले, खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान या फटी-पुरानी वस्तुएं भी नहीं रखनी चाहिए।

विशेषज्ञों का मानना है कि घर की छत को व्यवस्थित, स्वच्छ और हल्का रखने से सकारात्मक वातावरण बना रहता है। हालांकि इन बातों का वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है, लेकिन वास्तु और ज्योतिष में विश्वास रखने वाले लोग इन्हें सुख, समृद्धि और मानसिक शांति बनाए रखने के लिए अपनाते हैं। ऐसे में समय-समय पर छत की सफाई कर अनावश्यक सामान हटाना एक अच्छी आदत भी मानी जाती है। राहु-केतु और शनि का नकारात्मक प्रभाव ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, लोहा शनि देव की धातु है, लेकिन जब उसमें जंग लग जाता है, तो वह राहु और केतु के अशुभ प्रभाव का कारण बनता है। छत पर जंग लगा लोहा रखने से घर में 'राहु दोष' उत्पन्न होता है। इसके कारण परिवार के सदस्यों में मानसिक तनाव, चिड़चिड़ापन और बिना वजह का डर बना रहता है।

2. आर्थिक तंगी और कर्ज का बढ़ना

छत पर रखा कबाड़ सीधे तौर पर आपकी आर्थिक उन्नति को रोकता है। जंग लगा लोहा नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है, जिससे धन का आगमन रुक जाता है और खर्चे बेतहाशा बढ़ जाते हैं। कई बार जमा पूंजी खत्म होने लगती है और व्यक्ति कर्ज के जाल में फंस जाता है।

तरक्की में रुकावट और करियर में बाधाएं

वास्तु के अनुसार, घर की छत जितनी साफ और खुली होगी, विचारों में उतनी ही स्पष्टता और जीवन में तरक्की आएगी। इसके विपरीत, वहां भारी या जंग लगी चीजें रखने से करियर में रुकावटें आती हैं। व्यापार में घाटा होने लगता है और नौकरीपेशा लोगों को कड़ी मेहनत के बाद भी उचित फल नहीं मिलता। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और पारिवारिक कलह इस प्रकार का वास्तु दोष घर के सदस्यों, विशेषकर मुखिया के स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। घर में बीमारियां पैर पसारने लगती हैं। साथ ही, परिवार के लोगों के बीच आपसी तालमेल बिगड़ता है, जिससे छोटी-छोटी बातों पर कलह और विवाद की स्थिति बनी रहती है।

व्यावहारिक और सुरक्षा के नुकसान

वैज्ञानिक और व्यावहारिक दृष्टि से भी छत पर जंग लगा लोहा रखना खतरनाक है। बारिश के दिनों में इससे निकलने वाला लाल पानी छत की दीवारों और फर्श को खराब कर देता है, जिससे सीलन की समस्या बढ़ सकती है। इसके अलावा, जंग लगे लोहे से टिटनेस जैसी गंभीर बीमारी का खतरा भी हमेशा बना रहता है। निष्कर्ष यदि आपके घर की छत पर भी ऐसा कोई लोहा या कबाड़ पड़ा है, तो उसे तुरंत हटा दें। छत को हमेशा साफ-सुथरा रखें ताकि घर में सकारात्मक ऊर्जा, सुख-समृद्धि और शांति का वास बना रहे।

तीन साल तक बिना रुके चलती रही बप्पा की कलम! जानिए वेदव्यास की चतुर शर्त

महाभारत की अद्भुत कथा

महाभारत को संसार का सबसे बड़ा और महान महाकाव्य माना जाता है। यह केवल कौरव-पांडवों के युद्ध की कहानी नहीं, बल्कि धर्म, कर्म, नीति, न्याय और जीवन के गूढ़ रहस्यों का अमूल्य ग्रंथ है। इस दिव्य महाकाव्य की रचना महर्षि वेदव्यास ने की, लेकिन इसे लिखने का श्रेय भगवान श्रीगणेश को भी जाता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि महाभारत की रचना के पीछे एक ऐसी रोचक कथा छिपी है, जिसमें भगवान गणेश और महर्षि वेदव्यास के बीच हुई दो अनोखी शर्तों ने इतिहास रच दिया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महर्षि वेदव्यास ने जब महाभारत की रचना करने का संकल्प लिया, तब उन्हें एहसास हुआ कि इतना विशाल ग्रंथ केवल सुनाने से आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित नहीं रह पाएगा। इसके लिए एक ऐसे लेखक की आवश्यकता थी, जो असाधारण बुद्धि, स्मरण शक्ति और लेखन क्षमता रखता हो। देवताओं के सुझाव पर उन्होंने प्रथम पूज्य भगवान गणेश का ध्यान किया और उनसे इस महान कार्य में सहयोग देने का आग्रह किया।

भगवान गणेश ने रखी पहली शर्तः भगवान गणेश महर्षि वेदव्यास की प्रार्थना से प्रसन्न हुए और महाभारत लिखने के लिए तैयार हो गए। हालांकि उन्होंने इस कार्य के लिए एक विशेष शर्त रखी। गणेशजी ने कहा कि यदि वे लेखन प्रारंभ करेंगे, तो उनकी कलम एक पल के लिए भी नहीं रुकेगी। यदि व्यासजी कथा सुनाने में कहीं भी रुक गए या सोचने लगे, तो वे उसी क्षण लेखन कार्य छोड़ देंगे। यह शर्त सुनकर महर्षि वेदव्यास कुछ देर के लिए चिंतित हो गए। महाभारत जैसा विशाल ग्रंथ तत्काल रचना करना आसान नहीं था। प्रत्येक श्लोक गहन अर्थ, दर्शन और नीति से भरपूर था। यदि उन्हें विचार करने का अवसर ही नहीं मिलेगा, तो इतनी विशाल रचना कैसे संभव होगी?

वेदव्यास ने भी रख दी अपनी चतुर शर्तः महर्षि वेदव्यास अपनी दूरदर्शिता और असाधारण बुद्धिमत्ता के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने भगवान गणेश की शर्त स्वीकार कर ली, लेकिन बदले में अपनी ओर से भी एक शर्त रख दी। उन्होंने कहा कि "हे गणेश! आप प्रत्येक श्लोक को पहले पूरी तरह समझेंगे, उसके बाद ही उसे लिखेंगे। बिना अर्थ समझे कोई भी श्लोक नहीं लिखा जाएगा।" भगवान गणेश इस शर्त से सहमत हो गए। यहीं से महाभारत की रचना का वह अद्भुत अध्याय शुरू हुआ, जिसे आज भी ज्ञान और बुद्धिमत्ता का सर्वोत्तम उदाहरण माना जाता है। कथा के अनुसार, जब भी महर्षि वेदव्यास को आगे की कथा पर विचार करने के लिए समय चाहिए होता, तब वे अत्यंत गूढ़ और जटिल अर्थ वाले श्लोक बोल देते थे। इन श्लोकों का अर्थ समझने में भगवान गणेश को कुछ समय लगता था। इसी दौरान महर्षि वेदव्यास अगले प्रसंग और श्लोकों की रचना मन ही मन तैयार कर लेते थे। इस प्रकार भगवान गणेश की कलम भी नहीं रुकी और महर्षि वेदव्यास को सोचने का आवश्यक समय भी मिलता रहा। यही कारण है कि महाभारत में कई ऐसे श्लोक मिलते हैं, जिन्हें अत्यंत गहन और रहस्यमय माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, महाभारत की रचना का यह दिव्य कार्य लगभग तीन वर्षों तक लगातार चलता रहा। इस पूरे समय भगवान गणेश ने अद्भुत एकाग्रता, धैर्य और समर्पण के साथ महर्षि वेदव्यास द्वारा बोले गए प्रत्येक श्लोक को लिपिबद्ध किया। मान्यता है कि लेखन के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आने दी गई। भगवान गणेश ने अपने संकल्प का पूरी निष्ठा से पालन किया और वेदव्यास ने भी कथा का प्रवाह बिना रुके बनाए रखा। इसी कारण महाभारत आज विश्व का सबसे विशाल और महत्वपूर्ण महाकाव्य माना जाता है। टूटे दांत से लिखी महाभारत की कथाः महाभारत की रचना से जुड़ी एक और प्रसिद्ध मान्यता यह भी है कि लेखन के दौरान भगवान गणेश की लेखनी टूट गई थी। चूंकि उन्होंने अपनी शर्त के अनुसार लेखन रोकने का संकल्प लिया था, इसलिए उन्होंने बिना समय गंवाए अपना एक दांत तोड़कर उसे ही लेखनी बना लिया और लिखना जारी रखा। इसी घटना के कारण भगवान गणेश को 'एकदंत' भी कहा जाता है। यह प्रसंग उनके त्याग, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक माना जाता है।

महाभारत केवल युद्ध नहीं, जीवन का संपूर्ण दर्शन हैः महाभारत में लगभग एक लाख श्लोक हैं और इसमें केवल कुरुक्षेत्र के युद्ध का वर्णन ही नहीं, बल्कि राजनीति, समाज, परिवार, धर्म, न्याय, कर्तव्य, नैतिकता, आध्यात्मिकता और मानव जीवन के हर पहलू का गहन विश्लेषण मिलता है। इसी महाकाव्य का एक भाग श्रीमद्भगवद्गीता है, जिसे भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को उपदेश के रूप में सुनाया था। आज भी महाभारत को केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला कालजयी ग्रंथ माना जाता है।

क्या सीख देती है यह कथा?:

महर्षि वेदव्यास और भगवान गणेश की यह कथा हमें सिखाती है कि किसी भी महान कार्य की सफलता केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि धैर्य, बुद्धिमत्ता, अनुशासन, समर्पण और सही रणनीति से मिलती है। गणेशजी का अटूट संकल्प और वेदव्यास की दूरदर्शिता इस बात का संदेश देती है कि जब ज्ञान और बुद्धि का संगम होता है, तब इतिहास रचा जाता है। इसी दिव्य सहयोग का परिणाम है महाभारत, जो हजारों वर्षों बाद भी पूरी मानवता को सत्य, धर्म और कर्तव्य का मार्ग दिखा रही है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और मेहनत का पूरा फल मिलेगा। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है।परिवार व रिश्तेः भाई-बहनों के साथ बातचीत बहुत फलदायी रहेगी और घर में किसी शुभ कार्य की योजना बन सकती है। अपनी जरूरी व्यावसायिक योजनाओं को अभी गुप्त रखें।

वृषभ राशिः भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। नौकरी में प्रमोशन के संकेत हैं और व्यापार में धन लाभ के नए अवसर मिलेंगे। परिवार व रिश्तेः परिवार में खुशियां और धन दोनों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। सलाहः किसी भी तरह के विवादों और फालतू के खर्चों से दूर रहें।

मिथुन राशि : आमदनी के नए स्रोत खुलेंगे। व्यापारिक स्थिति अच्छी रहेगी और रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।स्वास्थ्यः पिछले कुछ दिनों से चल रहा मानसिक तनाव या सिर का भारीपन आज कम होगा। सलाहः प्रेम और संतान की स्थिति थोड़ी मध्यम है, इसलिए धैर्य बनाए रखें।

कर्क राशिः आपके लिए अपनी प्राथमिकताओं को तय करने और नए लक्ष्य बनाने का बेहतरीन समय है।परिवार व रिश्तेः आज का दिन आत्मचिंतन के लिए बहुत शुभ है। शाम तक कोई अच्छी खबर मिल सकती है। सलाहः आज चंद्रमा आपकी ही राशि में प्रवेश करेगा, इसलिए खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान दें।

सिंह राशि : आज का दिन लाभ कमाने के लिहाज से कल से बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र का विस्तार हो सकता है।परिवार व रिश्तेः पुराने मित्रों से मुलाकात होगी, जो भविष्य के किसी काम में मददगार साबित हो सकती है। सलाहः सुख-सुविधाओं पर धन खर्च अधिक हो सकता है, बजट का ध्यान रखें।

कन्या राशिः करियर के मामले में आज बड़ी राहत मिलेगी। नौकरी में पदोन्नति या कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।परिवार व रिश्तेः मित्रों और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे अटके हुए काम पूरे होंगे।सलाहः पेट या पाचन से जुड़ी हल्की तकलीफ हो सकती है, इसलिए आज हल्का भोजन करें।

तुला राशि : भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। पढ़ाई और करियर दोनों में संतुलित प्रगति होगी। धन लाभ के मौके मिलेंगे।परिवार व रिश्तेः रिश्तों में अपनापन और भावनात्मक नजदीकी बढ़ेगी। परिवार की पुरानी परेशानियां दूर होंगी। सलाहः मंगल की स्थिति के कारण स्वभाव में चिड़चिड़ापन आ सकता है, वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशिः पैसों और बचत के मामले में दिन बहुत मजबूत है। आपके रुके हुए या छुपे हुए मामले आज सुलझ सकते हैं। परिवार व रिश्तेः लव बर्ड्स के लिए आज का दिन यादगार और सुखद रहेगा।सलाहः अधिक यात्रा करने या जरूरत से ज्यादा काम करने से बचें, सेहत पर असर पड़ सकता है।

धनु राशि : व्यापार में तरक्की के नए मौके मिलेंगे। रुके हुए और उलझे हुए काम आज सुलझने लगेंगे ।परिवार व रिश्तेः जीवनसाथी के साथ चल रहे मतभेद आज शांति से सुलझेंगे और रिश्ते में ताजगी आएगी।सलाहः आज गुस्सा करने और बेवजह की बहस में उलझने से बचें।

मकर राशि : साझेदारी के कामों में बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। किसी प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से करियर में प्रगति होगी।परिवार व रिश्तेः जीवनसाथी और परिवार का पूरा साथ मिलेगा, जिससे घर में सुख-शांति बनी रहेगी।सलाहः आर्थिक मामलों में जल्दबाजी में बड़ा फैसला करने से बचें।

कुंभ राशि : कार्यक्षेत्र में आपके काम की सराहना होगी और मेहनत का उचित इनाम मिलेगा। व्यापार में धन की स्थिति बेहतर होगी।परिवार व रिश्तेः माता के स्वास्थ्य में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। मन की उलझनें सुलझेंगी।सलाहः काम के दबाव के कारण थोड़ी थकान महसूस हो सकती है, समय पर आराम करें।

मीन राशिः विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बेहद शुभ है। व्यापार में निवेश करने से भविष्य में बड़ा फायदा होगा। परिवार व रिश्तेः संतान पक्ष से कोई बहुत अच्छी खबर मिल सकती है। वाहन या किसी भौतिक सुख की प्राप्ति के योग हैं। सलाहः गाड़ी चलाते समय गति पर नियंत्रण रखें और जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

पीवी सिंधु जापान ओपन के दूसरे दौर में, चोट के कारण सात्विक-चिराग मैच से हटे

एजेंसी, टोक्यो

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को कंधे की चोट के कारण अपना पहला मुकाबला बीच में छोड़ने को मजबूर होना पड़ा। विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराकर आसान जीत दर्ज की। सिंधु ने शुरुआत से ही मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा और अपने सटीक स्मैश, ड्रॉप शॉट और बेहतरीन नेट गेम के दम पर सीधे गेमों में जीत हासिल की। दूसरी ओर विश्व नंबर-4 भारतीय पुरुष युगल जोड़ी सात्विक-चिराग को डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड के खिलाफ पहला गेम 19-21 से गंवाने के बाद मुकाबले से हटना पड़ा। सात्विक के कंधे की पुरानी चोट फिर उभर आई, जिसके चलते दोनों खिलाड़ियों ने मैच जारी नहीं रखा। मुख्य युगल कोच तान किम हर ने बताया कि सात्विक-चिराग अगले सप्ताह होने वाले चाइना ओपन में भी हिस्सा नहीं लेंगे। दोनों खिलाड़ी अब पूरी तरह फिट होने के लिए पुनर्वास (रिहैब) पर ध्यान देंगे, ताकि अगस्त में भारत में होने वाली विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में पूरी तरह तैयार होकर उतर सकें।

मिश्रित युगल में भारत के ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो ने स्कॉटलैंड के अलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन को 21-16, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली। हालांकि, रोहन कपूर और ऋत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी पहले ही दौर में बाहर हो गई। उन्हें चीन के शीर्ष वरीय फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग ने 21-11, 21-10 से हराया। अब पुरुष युगल में भारत के हरिहरन अम्साकरुनन और एम.आर. अर्जुन का सामना चीनी ताइपे की ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन की जोड़ी से होगा।

यूथ हॉकी5एस एशियन चैंपियनशिप के लिए भारत की पुरुष और महिला टीमें घोषित

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने मंगलवार को ओमान के मस्कट में 20 से 25 जुलाई तक होने वाली पहली यूथ हॉकी5एस एशियन चैंपियनशिप के लिए भारतीय सब-जूनियर पुरुष और महिला टीमों की घोषणा कर दी। यह टूर्नामेंट एशिया की उभरती हुई हॉकी प्रतिभाओं के लिए आयोजित किया जा रहा है और पहली बार होने वाले एफआईएच अंडर-18 यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए एशियाई क्वालिफायर भी होगा। पुरुष वर्ग में मेजबान ओमान के अलावा भारत, पाकिस्तान, ईरान, इराक, सऊदी अरब और बांग्लादेश हिस्सा लेंगे। महिला वर्ग में भारत, पाकिस्तान, ओमान, चीन, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान और ईरान की टीमें मुकाबला करेंगी। भारतीय सब-जूनियर महिला टीम में गोलकीपर खिली कुमारी और महक परिहार को शामिल किया गया है। रक्षा पंक्ति में नीलम टोपनो और किरण एक्का रहेंगी, जबकि मिडफील्ड में दिया, पुष्पा मांझी और श्रुति कुमारी को जगह मिली है। आक्रमण की जिम्मेदारी नौशीन नाज, संदीपा कुमारी और कप्तान स्वीटी कुजूर संभालेंगी। महिला टीम की कोच रानी ने कहा कि टीम में कौशल, गति और संतुलन का अच्छा मिश्रण है। खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण शिविर में कड़ी मेहनत की है और हॉकी5एस की तेज रफ्तार शैली के अनुरूप खुद को तैयार किया है। उन्हें विश्वास है कि टीम एशिया की मजबूत टीमों के खिलाफ निडर हॉकी खेलेगी। सब-जूनियर पुरुष टीम में गोलकीपर सावन कुमार और आयुष रजक शामिल हैं। डिफेंस में करण गौतम और आशीष तानी पुरती, जबकि मिडफील्ड में राहुल यादव और रोमित पाल को चुना गया है। फॉरवर्ड लाइन में कप्तान केतन कुशवाहा, प्रह्लाद राजभर, अर्शदीप सिंह और शाहरुख अली जगह बनाने में सफल रहे हैं। पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण शिविर में शानदार प्रदर्शन कर टीम में जगह बनाई है। उन्होंने कहा कि हॉकी5एस तेज गति, रचनात्मकता और दबाव में सही फैसले लेने वाला प्रारूप है, जिसके लिए टीम पूरी तरह तैयार है। यह प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का बेहतरीन अवसर होगी।

आईसीसी ने अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए पुनर्गठित किया टास्कफोर्स

एजेंसी, एडिनबर्ग

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपनी वार्षिक बैठक में अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए चल रहे डेवलपमेंट पाथवे प्रोग्राम को जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही आईसीसी ने विशेष टास्कफोर्स का पुनर्गठन करते हुए उसे वर्ष 2030 तक अफगान शरणार्थी महिला टीम को आईसीसी क्वालिफिकेशन प्रणाली में शामिल करने का रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। आईसीसी बोर्ड ने अपनी स्वतंत्र निदेशक डॉ. रोज रिवाज और आईसीसी चीफ एग्जीक्यूटिव्स कमेटी की सदस्य सारा कीन को भी इस विशेष टास्कफोर्स में शामिल किया है। वे बीसीसीआई, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम की निगरानी करेंगी। डॉ. रोज रिवाज ने आईसीसी के हवाले से कहा कि यह पहल अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए सुनियोजित कोचिंग, प्रतिस्पर्धी मैचों और उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों का मजबूत ढांचा तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि आईसीसी क्रिकेट के माध्यम से अवसर उपलब्ध कराने के अपने संकल्प को आगे बढ़ा रहा है। अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटर नाहिदा सपन ने कहा कि इस कार्यक्रम ने उन्हें सिर्फ क्रिकेट खेलने का मौका ही नहीं दिया, बल्कि एक टीम के रूप में साथ आने का अवसर भी प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि आईसीसी के दीर्घकालिक समर्थन से उन्हें अन्य देशों की खिलाड़ियों के समान अवसर मिलने की उम्मीद और मजबूत हुई है।

न्यूज़ीलैंड ने दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर सीरीज की बराबर

एजेंसी, गयाना । स्पिनर जेडेन लेनॉक्स के करियर के पहले पांच विकेट और न्यूजीलैंड के स्पिन आक्रमण के शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम ने दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। प्रोविडेंस स्टेडियम में स्थानीय समयानुसार सोमवार को खेले गए मुकाबले में लेनॉक्स ने 19 रन देकर 5 विकेट झटके, जबकि मिचेल सैंटनर और माइकल ब्रैसवेल ने दो-दो विकेट लिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही। जॉन कैंपबेल (43) और अकीम ऑगस्टे (18) ने पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। लेकिन इसके बाद न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। ऑगस्टे के आउट होने के बाद कैंपबेल भी सैंटनर का शिकार बने। इसके बाद लेनॉक्स ने कप्तान शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड को लगातार झटके देकर वेस्टइंडीज को मुश्किल में डाल दिया। कीसी कार्टी, गुडाकेश मोती, मैथ्यू फोर्ड, आमिर जंगू, विटेल लॉज और अन्य बल्लेबाज भी स्पिनरों के सामने टिक नहीं सके। न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने कुल 9 विकेट अपने नाम किए और पूरी वेस्टइंडीज टीम 36 ओवर में 138 रन पर सिमट गई। 139 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड को भी शुरुआती झटके लगे।

अंडर-23 राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में हरियाणा का दबदबा, तीनों वर्गों में जीता टीम खिताब

एजेंसी, रोहतक

मेजबान हरियाणा ने अंडर-23 राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष फ्रीस्टाइल, ग्रीको-रोमन और महिला वर्ग तीनों में टीम चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक में आयोजित इस प्रतियोगिता में हरियाणा ने सभी वर्गों में अपना दबदबा कायम रखा। पुरुष फ्रीस्टाइल में हरियाणा ने 200 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) 138 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। ग्रीको-रोमन वर्ग में भी हरियाणा ने 195 अंक जुटाकर खिताब अपने नाम किया, जबकि एसएससीबी 165 अंकों के साथ उपविजेता रहा। महिला वर्ग में हरियाणा ने 183 अंक अर्जित कर टीम चैंपियनशिप जीती, जबकि महाराष्ट्र 160 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में युवा पहलवानों का स्तर बेहद शानदार रहा।

बिजनेस

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में बड़ी गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के के भाव में आज शुरुआती दौर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 1,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चेन्नई में आज सोने के भाव में 1,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,900 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,42,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,42,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

थोक महंगाई दर जून महीने में बढ़कर 9.87 फीसदी पर आई

एजेंसी, नई दिल्ली

खुदरा महंगाई के बाद थोक महंगाई दर में इजाफा दर्ज हुआ है। खाद्य एवं गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी से जून में थोक महंगाई दर बढ़कर 9.87 फीसदी पर पहुंच गई है। मई में यह 9.68 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई के आंकड़े जारी करते हुए बताया कि थोक महंगाई दर के जून के आंकड़ों पर खनिज तेल (जिसमें पेट्रोलियम उत्पाद भी शामिल हैं) का असर खाद्य वस्तुओं, विनिर्मित मूल धातु तथा विनिर्मित रसायन एवं रासायनिक उत्पादों की कीमतों पर दिखा है। आंकड़ों के अनुसार ईंधन एवं बिजली श्रेणी में थोक महंगाई जून में 27.41 फीसदी रही, जबकि मई में यह 30.33 फीसदी थी। खाद्य वस्तुओं की महंगाई जून में बढ़कर 5.49 फीसदी हो गई, जो मई में 3.60 फीसदी थी। इसके अलावा गैर-खाद्य वस्तुओं में थोक महंगाई 11.07 फीसदी रही, जबकि खनिज श्रेणी में ये 9.45 फीसदी दर्ज की गई।

भारत-स्पेन ने आपूर्ति श्रृंखलाओं और औद्योगिक साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए सहयोग पर की चर्चा

- गोयल ने विनिर्माण और नवाचार साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए स्पेन के उद्योग मंत्री से की बातचीत

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्पेन के उद्योग और पर्यटन मंत्री जॉर्डी हेरेउ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने व्यापार, निवेश, विनिर्माण, नवाचार, पर्यटन और भविष्य के लिए तैयार अन्य क्षेत्रों में भारत और स्पेन सहयोग को मजबूत करने के नए अवसरों पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 13 जुलाई को स्पेन के आधिकारिक दौरे पर गए हैं। इस यात्रा के दौरान उन्होंने भारत और स्पेन आर्थिक साझेदारी को गहरा करने और व्यापार, निवेश, नवाचार एवं उद्योग में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से कई उच्च स्तरीय बैठकों में भाग लिया।

गोयल की यह यात्रा द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए है। उनकी यह यात्रा इसलिए भी विशेष महत्व रखती है, क्योंकि दोनों देश राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहे हैं। भारत और स्पेन द्विभाषी संस्कृति, पर्यटन एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्ष 2026 का भी आयोजन कर रहे हैं। इससे पहले वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने स्पेन सरकार के वरिष्ठ सदस्यों के साथ उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठकों के साथ-साथ व्यापारिक प्रमुखों तथा निवेश प्रोत्साहन एजेंसियों के साथ बातचीत की और भारत-स्पेन व्यापार मंच को संबोधित किया। इस दौरान आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने, अधिक औद्योगिक साझेदारी को सुविधाजनक बनाने और वैश्विक निवेशकों के लिए भारत के बढ़ते अवसरों को प्रदर्शित करने के लिए उन्होंने भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ चर्चा किया। गोयल ने स्पेन सरकार के प्रथम उपराष्ट्रपति और अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं व्यवसाय मंत्री कार्लोस कुएर्पो कैबालेरो के साथ द्विपक्षीय बैठक की। साथ ही दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश संबंधों को सुदृढ़ करने, व्यावसायिक सहयोग को बढ़ाने, नवाचार-आधारित विकास को बढ़ावा देने और आर्थिक सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने के तरीकों पर चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने स्पेन के उद्योग और पर्यटन मंत्री महामहिम जोर्डी हेरेउ बोहर से भी भेंट की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपने पांच दिवसीय आधिकारिक यूरोप दौरे (स्पेन, बेल्जियम और फिनलैंड) की शुरुआत स्पेन की उच्च स्तरीय बैठकों के साथ की।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड का आईपीओ, 16 जुलाई तक कर सकते हैं अप्लाई

एजेंसी, नई दिल्ली

फैब्रिक की डाइंग और प्रोसेसिंग के काम में लगी अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड का 126.25 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 16 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 17 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 20 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 21 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

लॉन्चिंग के बाद दोपहर 2:40 बजे तक ये आईपीओ 23 प्रतिशत सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100 से लेकर 105 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 142 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 142 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,910 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,830 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,846 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,20,24,000 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ एक प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 70 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 29 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए डीएंडए फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

लवकर्स टेक्नोलॉजीज का आईपीओ लॉन्च, पहले घंटे में ही हुआ फुली सब्सक्राइब

एजेंसी, नई दिल्ली । एयरोस्पेस, डिफेंस, रेलवे और सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए हाई-एक्यूरेसी वाले मशीनी पार्ट्स और सब असेंबली बनाने वाली प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनी मिलवर्क्स टेक्नोलॉजीज का 160.34 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 16 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 17 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 20 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 21 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद पहले घंटे में ही ये पब्लिक इश्यू फुली सब्सक्राइब हो गया। इसके बाद भी लगातार बोलियां लगती रहीं, जिसके कारण दोपहर 1:30 बजे तक ये आईपीओ 5.74 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 315 रुपये से लेकर 331 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 400 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 800 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,64,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 48.44 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 45.61 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने कुछ देर तक लिवाली का जोर बनाए रखा, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में कुछ सुधार भी हुआ। हालांकि पहले 10 मिनट के कारोबार के बाद ही एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.62 प्रतिशत और निफ्टी 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से सिप्ला, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टीसीएस और नेस्ले के शेयर 1.58 प्रतिशत से लेकर 0.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, एचसीएल टेक्नोलॉजी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के शेयर 3.49 प्रतिशत से लेकर 2.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,703 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 866 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,837 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 22 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

नीरू बाजवा सतलुज को ओटीटी से हटाए जाने से हैं निराश

आआशिकी 2, मलंग और मेट्रो... इन दिनों जैसी फिल्मों से अपनी रोमांटिक छवि बनाने वाले अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर खास लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं। इस बार वह पहली बार निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी के साथ हाथ मिला रहे हैं। दोनों की यह फिल्म रोमांस, एक्शन और संगीत का दमदार मेल होगी, जिसे निर्माता भूषण कुमार बड़े स्तर पर बना रहे हैं। निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी ने आदित्य रॉय कपूर के साथ अपनी पहली फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, आदित्य प्यार को बेहद गहराई के साथ पर्दे पर उतारते हैं। आशिकी 2 के बाद से दर्शकों ने उन्हें जुनून और टूटे दिल की कहानियों में खूब पसंद किया है। इस नई फिल्म का किरदार कई परतों वाला होगा। मुझे नहीं लगता कि इस सफर को उनसे बेहतर कोई और निभा सकता था। वहीं, निर्माता भूषण कुमार ने आदित्य के साथ अपनी पुरानी साझेदारी को याद करते हुए कहा, आदित्य के साथ हमारा रिश्ता कई सालों पुराना है और हमने साथ मिलकर ऐसी फिल्में दी हैं जिन्हें दर्शक आज भी पसंद करते हैं। आशिकी 2 से लेकर मेट्रो... इन दिनों तक हर फिल्म हमारे लिए खास रही है। हमारे बीच शानदार क्रिएटिव तालमेल है और मुझे खुशी है कि हम एक बार फिर एक ऐसी कहानी के लिए साथ आ रहे हैं, जो भावनात्मक और बड़े पैमाने पर बनाई जाएगी। फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर में शुरू होने की तैयारी है। इसके बाद पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा कर इसे साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और टाइटल का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन मेकर्स का कहना है कि आने वाले समय में इससे जुड़ी और जानकारियां साझा की जाएंगी। फिल्म की घोषणा करते हुए मिलाप मिलन जावेरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी एक खास पोस्ट साझा किया था। उन्होंने लिखा, इस बार आशिकी पूरी दीवानियत से होगी। मुझे बेहद खुशी है कि मैं अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर रहा हूं। यह एक इंटेंस, हिंसक और म्यूजिकल लव स्टोरी है, जिसमें मेरे प्रिय मित्र और शानदार अभिनेता आदित्य रॉय कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, आदित्य को उनके करियर के सबसे दमदार, रोमांटिक और हीरोइक किरदारों में से एक में देखने के लिए तैयार हो जाइए। मुझे खुशी है कि यह फिल्म भूषण कुमार सर के बैनर तले बन रही है, जिनके साथ मैंने सत्यमेव जयते और मरजावां जैसी सफल फिल्मों में काम किया है। उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, 2027 में सिनेमाघरों में मिलते हैं, जहां एक्शन, संगीत, दमदार डायलॉग, रोमांस, जुनून और दिल टूटने का दर्द- सब कुछ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगा।

खेसारी की टीम पर भड़कीं अंजना सिंह, कैमरे पर दिखाई चप्पल

किकिल और बैड्स ऑफ बॉलीवुड जैसी फिल्मों में अपनी गंभीर और दमदार एक्टिंग का लोहा मनवाने के बाद राघव जुयाल अब दर्शकों को हंसाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मेकर्स ने उनकी आगामी फिल्म भाई तेरा स्टार है का शानदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है। इस ट्रेलर में राघव के किरदार अजय सिंह की एक बेहद अनोखी, अतरंगी और मजेदार दुनिया की झलक देखने को मिल रही है, जिसने फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता काफी बढ़ा दी है। इस बार वह एक फुल-ऑन कॉमिक एंटरटेनर के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म पूरी तरह से एक पारिवारिक मनोरंजन पैकेज है। ट्रेलर की शुरुआत ही एक बेहद मजेदार डायलॉग से होती है, एक एक्टर का सबसे बड़ा टैलेंट होता है अपनी ही बकवास पर यकीन करना। इसके बाद से ही पूरे ट्रेलर में बड़े-बड़े सपने, जबरदस्त कन्फ्यूजन और पेट खोलकर हंसाने वाले सीन्स का सिलसिला शुरू हो जाता है। फिल्म में राघव जुयाल की कॉमिक टाइमिंग के साथ-साथ संजय कपूर, बरखा सिंह, निहारिका एनएम और चंदन रॉय सान्याल जैसे बेहतरीन कलाकार भी अपनी कॉमेडी से एंटरटेनमेंट का लेवल बढ़ाते नजर आ रहे हैं। अपने इस नए रोल को लेकर राघव जुयाल काफी उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि अजय सिंह का यह किरदार बहुत ज्यादा ड्रामेटिक, बेबाक और अप्रत्याशित है, जिसे निभाने में उन्हें बेहद मजा आया। वहीं फिल्म के डायरेक्टर विवेक बी अग्रवाल का कहना है कि यह फिल्म खुद को बहुत सीरियसली नहीं लेती और यही इसकी सबसे बड़ी खूबी है। उन्होंने राघव की एनर्जी की तारीफ करते हुए कहा कि वे सिनेमाघरों में दर्शकों के रिएक्शन देखने के लिए बेहद उत्सुक हैं। ट्रेलर के बारे में बात करते हुए राघव जुयाल ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं कि सभी लोग अजय सिंह से मिलें। वह एक ऐसा किरदार है जो नाटकीय है, अप्रत्याशित है, बेझिझक है, पूरी तरह ओवर-द-टॉप है और बेहद मनोरंजक भी। इस किरदार को निभाने में मुझे बहुत मज़ा आया और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को भी फिल्म देखते समय उतना ही आनंद आएगा, जितना हमें इसे बनाते समय आया। निर्देशक विवेक बी अग्रवाल ने कहा, भाई तेरा स्टार है पूरी तरह मनोरंजन का जश्न है। यह फिल्म खुद को जरूरत से ज़्यादा गंभीरता से नहीं लेती और यही इसकी सबसे बड़ी खासियत है। इसमें मज़ेदार किरदार, अप्रत्याशित मोड़ और लगातार मनोरंजन देखने को मिलेगा। राघव ने अजय सिंह के किरदार को अपनी शानदार ऊर्जा और बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग से जीवंत बना दिया है। हमें बेहद खुशी है कि आज ट्रेलर दर्शकों के सामने है और अब हम सभी को सिनेमाघरों में फिल्म का आनंद लेते देखने का इंतजार है। ईस्टवुड पिक्चर्स और इंडियन स्टोरीज 2 के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन विवेक बी अग्रवाल ने किया है। फिल्म की कहानी को सुदीप्तो सरकार और विवेक ने मिलकर लिखा है, जबकि इसके निर्माण की जिम्मेदारी अवंतिका हरि, सुनील रुपानी और विवेक बी. अग्रवाल ने संभाली है। एंटरटेनमेंट और ठहाकों से भरपूर यह फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है।

राघव और शहनाज का हाथ थामे वीडियो वायरल, फैंस पूछ रहे डेटिंग या दोस्ती

डांडांसर और अभिनेता राघव जुयाल के जन्मदिन समारोह से सामने आए कुछ वीडियो ने सोशल मीडिया पर एक बार फिर हलचल मचा दी है। इन वीडियो में अभिनेत्री और 'बिग बॉस 13' से लोकप्रिय हुई शहनाज गिल को राघव जुयाल के साथ हाथ थामे पार्टी से बाहर निकलते और एक ही कार में रवाना होते देखा गया। इसके बाद दोनों के रिश्ते को लेकर एक बार फिर डेटिंग की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि, दोनों कलाकारों ने अब तक इन अटकलों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। राघव जुयाल की जन्मदिन पार्टी में फिल्म और मनोरंजन जगत की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। इस मौके पर अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान सहित कई सेलिब्रिटी मौजूद थे। लेकिन सबसे अधिक चर्चा राघव और शहनाज की रही, जिनके साथ दिखाई देने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए। इससे पहले वर्ष 2023 में भी दोनों के रिश्ते को लेकर कई तरह की

चर्चाएं सामने आई थीं, लेकिन उस समय भी दोनों ने इस विषय पर चुप्पी साधे रखी थी। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि पार्टी समाप्त होने के बाद राघव जुयाल और शहनाज गिल एक साथ बाहर निकलते हैं। सीढ़ियों से उतरते समय दोनों एक-दूसरे का हाथ थामे दिखाई देते हैं। बाहर मौजूद फोटोग्राफरों और प्रशंसकों की भीड़ के बीच भी राघव लगातार शहनाज का हाथ पकड़े रहते हैं। इसके बाद दोनों एक ही कार की ओर बढ़ते हैं। एक अन्य वीडियो में राघव पहले कार में बैठते हैं और फिर शहनाज को अंदर बैठने में मदद करते नजर आते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कुछ क्लिप्स को लेकर कुछ यूजर्स ने दावा किया कि कार में बैठते समय राघव ने शहनाज को दूसरी ओर बैठने के लिए सहारा दिया, जिसे लेकर भी तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इन वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई प्रशंसकों ने दोनों की केमिस्ट्री की तारीफ करते हुए लिखा कि राघव जिस तरह शहनाज का ध्यान रख रहे हैं, वह काफी प्यारा है। कुछ यूजर्स ने शहनाज के लिए खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वह जीवन की हर खुशी की हकदार हैं। वहीं कई लोगों ने दोनों से अपने रिश्ते को आधिकारिक रूप से स्वीकार करने की अपील भी की। कुछ टिप्पणियों में सीधे सवाल पूछा गया कि यदि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, तो इसे सार्वजनिक क्यों नहीं कर देते।

हर दिन एक नई सीख लेकर आता है: अमिताभ बच्चन

अपने ब्लॉग में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने कहा कि हर दिन एक नई सीख लेकर आता है और व्यक्ति को हमेशा नई चीजों को सीखने और खुद को बेहतर समझने के लिए तैयार रहना चाहिए। अपने हालिया ब्लॉग के जरिए उन्होंने सीखने, आत्मचिंतन और जीवन में गलतियों को स्वीकार करने के महत्व पर गहराई से बात की है। यह उनके दशकों के अनुभवों का निचोड़ है, जिसे वे अपनी एक्सटेंडेड फैमिली यानी अपने प्रशंसकों के साथ नियमित रूप से साझा करते हैं। हर दिन काम की व्यस्तताओं के बाद बिग बी अपने फैंस के नाम एक लंबा ब्लॉग लिखते हैं जिसमें उनके विचार, दिनभर के अनुभव और पुरानी यादें शामिल होती हैं, जो उनके प्रशंसकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनती हैं। अपने हालिया ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा, हर दिन हमें कुछ नया सिखाता है। हर दिन नई सीख और नए अनुभव लेकर

आता है। हर दिन उन नए मौकों के लिए खास होता है, जो हमें बदलाव को अपनाने और आगे बढ़ने का अवसर देते हैं। उन्होंने सीखने को सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा, सीखना सबसे बड़ी ताकत है। जो बातें हमें पहले नहीं पता थीं और जिन्हें केवल विशेषज्ञ जानते थे, उन्हें भी हमें सीखने की कोशिश करनी चाहिए। जिन लोगों के पास ज्ञान और अनुभव है, उनसे सीखते रहना ही आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका है। यह उनके विनम्र और जिज्ञासु स्वभाव को दर्शाता है, जो उन्हें लगातार विकसित होने में मदद करता है। उन्होंने आगे कहा कि खुद को समझने से बढ़कर कुछ नहीं होता। उन्होंने लिखा, आखिरकार सबसे ज्यादा मायने आपकी अपनी समझ, आपकी सोच और आपका अपना अनुभव रखता है। विशेषज्ञ भी गलतियां कर सकते हैं, फिर उन्हें सुधारने की कोशिश करते हैं और आगे बढ़ जाते हैं लेकिन जब आप अपने विवेक और अनुभव के आधार पर फैसला लेते हैं तो आपको अपने फैसलों पर बेहतर पकड़ होती है। अगर कोई गलती होती भी है, तो कम से कम यह संतोष रहता है कि वह आपकी अपनी गलती थी। यह कथन व्यक्तिगत जिम्मेदारी और आत्म-निर्भरता के महत्व पर जोर देता है। अमिताभ बच्चन ने तर्क-वितर्क से निपटने का एक व्यावहारिक तरीका भी सुझाया। उन्होंने कहा, किसी बात पर बहस करना गलत नहीं है लेकिन अगर सामने वाला आपकी बात मानने को तैयार न हो, जबकि आपको पूरा भरोसा हो कि आप सही हैं, तो बहस खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप उससे कह दें, हो सकता है, आप ही सही हों। उन्होंने कहा, ऐसा कहने से सामने वाले को लगता है कि उसने बहस जीत ली है और आप बेवजह समय बर्बाद करने से बच जाते हैं। फिर आप उस समय को उन कामों में लगा सकते हैं, जिन पर आपको भरोसा है और जिनके बारे में आपको सही जानकारी है। वह काम सही भी हो सकता है और गलत भी, लेकिन वह आपका अपना फैसला होता है। उन्होंने लिखा, अगर बात दूसरे की है, तो उसे या उन्हें यह कह दीजिए। वे खुश हो जाएंगे और आप लंबी बहस में समय गंवाने से बच जाएंगे। यह सलाह न केवल समय बचाती है, बल्कि अनावश्यक संघर्षों से बचकर मानसिक शांति बनाए रखने में भी मदद करती है। बता दें कि अमिताभ बच्चन, जो अपनी गहन सोच और जीवन के अनुभवों के लिए जाने जाते हैं, ने अपने हालिया ब्लॉग के जरिए सीखने, आत्मचिंतन और जीवन में गलतियों को स्वीकार करने के महत्व पर गहराई से बात की है।

श्रेष्ठा अय्यर को मिलीं रेप और जान से मारने की धमकियां

क्रिक्रिकेटर श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर ने हाल ही में आईपीएल 2026 से जुड़े एक वीडियो के बाद मिली भयानक धमकियों का खुलासा किया है। नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो लॉकअप से बाहर होने के बाद सिद्धार्थ कन्नन के एक पॉडकास्ट में अपनी यात्रा और जीवन के बारे में बात करते हुए, श्रेष्ठा ने बताया कि कैसे उन्हें रेप और जान से मारने की धमकियां मिलनी शुरू हो गई थीं। इस दर्दनाक अनुभव को साझा करते हुए श्रेष्ठा अपने आंसू नहीं रोक पाईं। श्रेष्ठा अय्यर ने कहा कि उनके वीडियो बनाने का इरादा किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था। उन्होंने खुद को श्रेयस की सबसे बड़ी समर्थक बताते हुए कहा कि जब वह अपने भाई को सपोर्ट करती हैं तो सब कुछ भूल जाती हैं। यह विवादित वीडियो पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के एक मैच के दौरान बनाया गया था। 2026 में, बारिश के कारण केकेआर और पंजाब का एक मैच रद्द हो गया था, जिससे केकेआर को एक अंक मिल गया था। यह उस आईपीएल सीजन में केकेआर का पहला अंक था। इसी मौके पर श्रेष्ठा ने एक वीडियो में कहा था, साडे पंजाबियों दा दिल वड्डा हुंदा ए। लो दित्ता एक प्वाइंट। उनका कहना है कि उन्होंने अपने भाई की टीम की हर जीत के बाद डांस वीडियो बनाए थे और इस मैच के लिए भी यही किया था। उनका मानना है कि लोगों ने इसे गलत तरीके से लिया।

श्रेष्ठा ने बताया कि केकेआर के फैंस ने उनके वीडियो को इतनी गलत तरीके से समझा कि उन्हें भारी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। लोग उनके लुक्स का मजाक उड़ा रहे थे और उन्हें रेप और जान से मारने की धमकियां दे रहे थे। उन्होंने भावुक होकर कहा, आपको लगता है कि उस वीडियो की वजह से इतनी नफरत कोई डिजर्व करता है? श्रेष्ठा उस वक्त दुबई में अकेली रह रही थीं, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई थी। उन्होंने बताया कि उनके वर्कप्लेस पर दुबई में रात 3 बजे फोन आते थे, जिसमें उन्हें घटिया इंसान कहा जाता था और ब्लैक मैजिक कर उनकी जिंदगी खराब करने की धमकियां दी जाती थीं। इन धमकियों और नफरत से बचने के लिए श्रेष्ठा को अपना कमेंट सेक्शन और अनजान लोगों से आने वाले मैसेज बंद करने पड़े। उन्होंने जोर देकर कहा कि वीडियो में उन्होंने किसी को कुछ गलत नहीं कहा था, न ही किसी को गाली दी थी। इसके बावजूद लोगों ने यह नहीं समझा कि यह सिर्फ एक खेल है और इस तरह की प्रतिक्रिया दी। अपने आंसुओं को रोकते हुए श्रेष्ठा ने साझा किया कि उन्हें सीधे मैसेज आए थे, जिनमें लिखा था, तुम कोलकाता आओ तुम्हें वापस जिंदा नहीं भेजेंगे। दुबई में अकेले होने के कारण यह धमकी उनके लिए और भी डरावनी साबित हुई।

Bodies of 15 Indians killed in Vietnam boat tragedy arrive in Mumbai

New Delhi, Agency: A flight carrying the bodies of 15 Indian nationals who were killed in the Vietnam boat tragedy landed at Mumbai's Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport on Monday. The remains were flown from Ho Chi Minh City on a Vietnam Airlines flight, as cited by PTI. Of the 15 victims, 10 were from Tamil Nadu, three from Andhra Pradesh and two from Kerala.

"We are grateful for the many messages of condolences and prayers from our Vietnamese friends. Your prayers, efforts and presence gave us strength in this extreme hour of grief," the Indian Embassy said in a post on X. The Indian mission also expressed gratitude to the Vietnamese authorities for their assistance and support in facilitating the repatriation process. While 16 of the rescued Indian tourists have returned to India, one remains hospitalised in Phu Quoc, Vietnam.

"The Indian national undergoing treatment at Phu Quoc after the tragic boat accident successfully underwent a medical procedure yesterday evening. He has been admitted in a hospital in Ho Chi Minh City today. His family members have also arrived in Ho Chi Minh City," the India Embassy in Hanoi said in a post on Monday.

The survivor who remains hospitalised is in critical condition, as cited by AP. The 49-year-old suffered severe lung damage after nearly drowning, along with shock, multiple injuries and bleeding in the brain, the report said. A speedboat carrying 32 Indian tourists and four Vietnamese crew members capsized near Hon May Rut Ngoai, off Phu Quoc Island, on Friday, killing 15 tourists. The remaining passengers were rescued. The tourists were reportedly returning from an island excursion when the vessel overturned about 400 metres off Hon May Rut Ngoai Island. The cause of the accident is yet to be determined, and Vietnamese authorities have ordered an investigation into the incident. According to Vietnamese news portal VN Express International, the speedboat operator was detained on Sunday. Phu Quoc, Vietnam's largest island, is one of the country's most popular tourist destinations, known for its white-sand beaches, coral reefs and island-hopping tours.

Jammu and Kashmir: Court remands 3 arrested publishers in police custody

Jammu, Agency: A court in Jammu remanded Monday three arrested publishers to 10 days' police custody in a case linked to two books allegedly carrying separatist and anti-national content that were supplied to govt school libraries in J&K.

Inderpaul of Jammu-based Oberoi Book Service and Amardeep Singh and Girish Arora of Noida-based Dominant Publishers were taken into custody Sunday. "They were virtually produced before the court, which granted police remand for further investigation," an official said. According to officials, sub-committees were set up to select books after library grants were received under Samagra Shiksha Abhiyan. They shortlisted 463 titles, but scrutiny later flagged two books - "Personalities and Legends of J&K" and "Great Personalities of Jammu and Kashmir". By then, 100-plus copies of each book had reached schools.

The books were withdrawn and an inquiry was ordered, while eight school education officials were suspended and a contractual staffer was dismissed. Govt blacklisted Oberoi Book Service and Dominant Publishers. Investigators are trying to find out how the books reached libraries despite red flags during content scrutiny.

India launches UNSC campaign for 2028-29 term, Jaishankar unveils 'SHANTI' vision

New Delhi, Agency: India on Monday officially launched its campaign for election as a non-permanent member of the United Nations Security Council (UNSC) for the 2028-29 term, with external affairs minister S Jaishankar highlighting the country's peacekeeping record, development partnerships and commitment to a rules-based global order.

Launching the candidature at the UN headquarters in New York, Jaishankar said India's bid comes at a time when the world is facing rising conflicts, violence and instability, making the role of the United Nations and the Security Council more important than ever.

"It's a pleasure to join you today afternoon to launch India's candidature to serve as a non-permanent member of the United Nations Security Council for the term 2028-29. We do so at a time when the world is facing a profound paradox," Jaishankar said.

"At the same time, we are witnessing levels of conflict, violence and instability that threaten even those who may be very far away," he added. Outlining India's approach to global governance, Jaishankar introduced the country's SHANTI vision - Securing Holistic Advancement through Norms, Trust and Integrity - as the guiding principle for its UNSC campaign. He said global peace, progress and prosperity cannot be achieved in isolation and require respect for international norms and greater trust among nations.

"Recent developments have only demonstrated that peace, progress and prosperity cannot be sustained in a fragmented manner," Jaishankar said. "The world must therefore focus on holistic advancement... That journey can only be undertaken effectively when global order is valued and rules are respected. This puts a premium on norms, on trust and integrity. That is the approach that India offers: 'Securing Holistic Advancement through Norms, Trust and Integrity'. That is SHANTI as an acronym," he added.

Jaishankar said India's priorities would include building a secure and equitable world, ensuring that the voice of the Global South is heard, strengthening peacekeeping operations, promoting responsible use of technology and addressing challenges such as terrorism, climate change and maritime security.

"India's focus will be on working for a secure, peaceful, and equitable world - a world where the voice of the Global South is heard in equal measure," Jaishankar said. Making a case for India's candidature, Jaishankar pointed to the country's long-standing contribution to UN peacekeeping missions.

Strike triggers waste crisis in Punjab CM's home district

New Delhi, Agency: Piles of waste scattered along roads are spreading a pungent, suffocating odour across Chief Minister Bhagwant Singh Mann's home district of Sangrur. The week-long strike by splinter groups of municipal sanitation workers has left the town's already-strained sanitation system in disarray, with garbage mounds piling up across markets, colonies, main roads, lanes and public places, posing a serious health hazard. As The Tribune team walked through various areas in Sangrur, residents alleged that the routine garbage collection system had virtually collapsed. They complained that waste had accumulated near markets, hospitals, residential colonies, bus stands and roadside dumping points. "You can yourself see maggot-infested dog carcasses in the open. On the main Sangrur road, there is a dead cow lying for the past two days and no one is bothered," claimed AS Mann, a local social worker working on sanitation and de-addiction issues.

Residents in several areas of the district have started burning plastic and mixed solid waste in the open, triggering concerns over the already-polluted air quality. Doctors and environmental experts warned that burning plastic waste releases toxic gases, which could lead to severe health complications. They said prolonged exposure to such smoke could trigger asthma, breathing difficulties, eye irritation, skin allergies and lung diseases, particularly among children and the elderly. "We have been raising the matter of segregation of wet and dry waste, but the administration has failed to resolve it for over a decade. At present, the entire city has been turned into a garbage dump," said Brig Rajsher Singh Grewal (retd), who has repeatedly raised the matter with the authorities.

Kharif acreage falls 16%, but ethanol effect boosts sugarcane

New Delhi, Agency: Overall acreage of kharif (summer-sown) crops in the country fell 16% as of last Friday, with most crops reporting a decrease in sown area compared to the same period in 2025. But farmers' love for water-guzzling cash crop sugarcane, in demand for ethanol, is intact despite pressure on water resources due to weak monsoon.

Updated data, released by agriculture ministry Monday, showed acreage of sugarcane at 57.5 lakh hectares (LHa) as of July 10 was higher not only than acreage (56.7 LHa) of last year, but also normal acreage (average of last five years) of 54.2 LHa.

Some other cash crops, including jute and mesta, too reported higher acreage so far this year than the corresponding period in 2025. Around 50% of kharif sowing is completed by mid-July. Sugarcane, of late, has been at the centre of a debate due to controversy around use of ethanol-petrol mix (E20) in vehicles. Farmers' choice of the crop, however, shows why they may like govt's ethanol push to continue, giving credence to the argument that the move is not only reducing India's import bills but also helping farmers.

The acreage figures showed the highest decline of more than 23% in sown area of pulses, followed by coarse cereals (22%), oilseeds (21%), cotton (15%), and paddy (9%).

Ladakh to get autonomous hill councils in all seven districts

New Delhi, Agency: Since environmentalist-activist Sonam Wangchuk began his indefinite fast here in solidarity with the Cockroach Janta Party's (CJP) campaign against alleged irregularities in NEET, political developments have moved at a fast pace in his own backyard, Ladakh. The Ladakh administration on Monday announced its decision to constitute autonomous hill development councils for each of its seven districts, barely 10 days after it had, along with the Centre, convinced the Ladakh representatives to finally sign the minutes of May 22 meeting with the home ministry, in which Wangchuk was one of the key negotiators.

On both the occasions - July 3, when the minutes of May 22 meeting were finalised, and Monday, when the councils for every Ladakh district were announced - Wangchuk was here in the Capital, fasting.

Announcing the move to set up autonomous councils in the newly-created districts of Nubra, Changthang, Sham, Zanskar and Drass, in addition to Leh and Kargil that already have these councils, Ladakh chief secretary Ashish Kundra told a press conference in Leh that it is a "major step towards democratic decentralisation and grassroots governance".

\The seven councils will have full powers set out in the LAHDC Act. "The new districts shall get the same authority that Leh has held since 1995 and Kargil since 2003, not a reduced version of it," he underlined. The councils will have authority over land ownership and land allotment within the district. They will regulate recruitment and promotions for district cadre posts.

The councils - which will exist alongside Panchayati Raj institutions - shall hold a dedicated council fund and can levy taxes and fees. Each new district will have a revenue base of its own and formulate development plans. They will handle health, education and tourism, along with local infrastructure and social welfare schemes.

One Indian crew member killed, 6 injured after Iran strikes UAE tankers in Strait of Hormuz

New Delhi, Agency: An Indian crew member was killed and eight others were injured after two UAE-flagged tankers were targeted by Iranian cruise missiles in the Strait of Hormuz, the UAE ministry of defence said early Tuesday.

The attack on the tankers Mombasa and Bahia took place in the southern passage of the Strait of Hormuz in Omani territorial waters, according to the UAE defence ministry.

One crew member aboard the Mombasa, an Indian national, died in the strike, while eight others were injured, including four who suffered serious injuries.

The injured included six Indian nationals and two Ukrainian nationals, the ministry said.

"The national tankers (Mombasa) and (Bahia) were targeted by two Iranian cruise missiles in the southern passage of the Strait of Hormuz in Omani territorial waters," the UAE ministry of defence said in a statement. The attack also triggered fires onboard both vessels, causing material damage. The fires were later brought under control, the ministry said.

The UAE condemned the incident as a "serious violation and a clear breach of international law", warning that it reserved the right to respond and take necessary measures to protect its territory, people and national interests.

"The state reserves its full right to respond to this escalation and to take all necessary measures to protect its territories, people, and residents," the ministry said.

The UAE said it remained on high alert and urged the public to rely only on official sources for information.

The incident comes amid escalating military tensions in the Strait of Hormuz, one of the world's most strategically important maritime chokepoints.

Earlier, Iran's semi-official Tasnim news agency reported that several "violating" vessels had been targeted in the Strait of Hormuz by Iranian forces. Iranian state broadcaster IRIB also reported that the navy had fired cruise missiles at a "hostile vessel of the American enemy", citing an unnamed military source.

NMC plans ban on medical seat hike if buildings not yet complete

New Delhi, Agency: Medical colleges will no longer be allowed to seek approval to increase MBBS seats while their hospitals or academic buildings are still under construction, under draft amendments proposed by the National Medical Commission (NMC). The draft regulations require institutions to have all prescribed infrastructure and statutory approvals before applying. Temporary buildings and work-in-progress projects will not be considered. NMC has also proposed rejecting incomplete applications without allowing institutions to rectify deficiencies. Applications lacking mandatory documents specified by the Medical Assessment and Rating Board (MARB) will be treated as invalid.

Applicants must submit a valid consent of affiliation from a recognised university and a solvency certificate issued within 90 days before the application deadline.

The draft also proposes a mandatory corpus fund for medical colleges, with the amount fixed by MARB. Institutions attempting to influence MARB or NMC could face suspension or rejection of applications for new colleges, courses or seat increases.

The amendments have been published for public consultation, with stakeholders invited to submit objections and suggestions within 30 days.

Supreme Court quashes Guwahati high court order on 27 'foreigners'

New Delhi, Agency: Observing that the consequence of a person being declared a foreign national is huge and may lead to detention, deportation, separation from family and even possibly leave them stateless, Supreme Court Monday said determination of citizenship must be carried out through a "fair, lawful and reasonable" process even as it underscored that the government has legitimate and compelling interest in ensuring persons not legally entitled to claim Indian citizenship do not secure such status by misusing the process.

A bench of Justices Vikram Nath and Sandeep Mehta found fault with the procedure adopted by Foreigners Tribunals and Guwahati high court in declaring 27 people as foreign nationals, and quashed orders, many of which were passed without hearing those affected. It directed the tribunals to give them a fresh hearing and decide the cases.

The bench said Section 9 of Foreigners Act places the burden upon the person to prove he or she is not a foreigner but observed that "the existence of a statutory burden under Section 9 cannot be read to mean a tribunal is relieved of its own obligation to conduct a lawful adjudication". "Section 9 does not authorise a mechanical declaration," it said, adding that it "does not exclude the principles of natural justice".

The issue is not whether a tribunal is powerless to proceed ex parte in every case. The narrower and more important question is whether an ex parte or effectively ex parte proceeding can result in a mechanical declaration of foreigner status without a tribunal satisfying itself that the minimum requirements of lawful and fair adjudication have been met, Supreme Court said. It said as per statutory scheme, the person seeking citizenship carries the burden of proving that he or she is not a foreigner and a "tribunal must ensure a fair procedure, meaningful notice, consideration of material, and a reasoned opinion. These features are not in conflict". "The statutory burden placed upon the proceedee operates only after the proceeding is lawfully initiated and after the proceedee is placed in a position to understand the case against him or her. The burden cannot be shifted in a vacuum.

A person cannot be expected to prove the negative without being told, with reasonable clarity, the material basis on which he or she is alleged to be a foreigner," it said. "The protection of equality before law, equal protection of laws, life and personal liberty is, therefore, available to every person within the territory of India.